RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

साझा करें अपने मित्रों से

सांध्य दैनिक

दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग

संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

वर्ष- 13, अंक - 285 | श्रीकंचनपथ ONLINE | visit us http://www.shreekanchanpath.com | भिलाई, सोमवार 1 अगस्त 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खबर...

मुख्यमंत्री ने बालगंगाधर तिलक की पुण्यतिथि पर किया नमन

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, प्रखर चिंतक एवं प्रमुख समाज सुधारक बालगंगाधर तिलक की एक अगस्त को पुण्यतिथि पर उन्हें नमन किया है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि श्री तिलक ने सबसे पहले पूर्ण स्वराज की मांग उठाई। उन्होंने 'स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है' का प्रेरणादायक उद्घोष किया। इससे जन-जन में देश की स्वतंत्रता के प्रति जागरूकता का संचार हुआ। जनता को देश प्रेम एवं अन्याय के विरूद्ध संगठित करने के लिए उन्होंने सार्वजनिक गणेश उत्सव और शिवाजी उत्सव की शुरूआत की। देश के स्वतंत्रता आंदोलन में उनका यह योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा।

रोज सुबह बजने वाला 'भोंपू' तो अंदर गया, सीएम शिंदे का संजय राउत पर बड़ा हमला

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना के राज्यसभा सांसद संजय राउत की गिरफ्तारी पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने तंज कसा है। एकनाथ शिंदे ने कहा है कि अब रोज सुबह बजने वाला भोंपू तो अंदर चला गया। अब सुबह-सुबह भोंपू सुनने को नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि ईडी अपना काम कर रही है। अगर आप ईमानदार हैं तो आपको चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। शिंदे ने कहा कि जो जैसा करेगा, वैसा भरेगा।

कांवड़ यात्रा: शिवनाथ से देवबलोदा तक गूंजा बोलबम का जयकारा

विधायक देवेन्द्र यादव सहित हजारों शिव भक्तों ने किया जलाभिषेक

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सावन के तीसरे सोमवार को आज ट्विन सिटी की प्रमुख सड़क भगवा रंग में सराबोर सी हो गई। शिवनाथ नदी से देवबलोदा तक बोलबम का जयकारा गूंजता रहा। जय हनुमान सेवा वाहिनी की विशाल कांवड़ यात्रा शिवनाथ नदी से निकलकर देवबलोदा में संपन्न हुई। विधायक देवेन्द्र यादव सहित हजारों शिव भक्तों ने देवबलोदा के प्राचीन शिव मंदिर में शिवनाथ के जल से भगवान भोलेनाथ का अभिषेक किया।

जय हनुमान सेवा वाहिनी ने आज विशाल कांवड़ यात्रा का आयोजन किया। इसकी तैयारी पखवाड़े भर से शुरू हो गई थी। कांवड़ यात्रा में जिस कदर शिव भक्तों की स्वस्फूर्त भीड़ उमड़ पड़ी, उससे आयोजन समिति का उत्साह देखते बना। सुबह 7 बजे विधायक देवेन्द्र यादव, महापौर नीरज पाल, जिला कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर, धर्मेन्द्र यादव, नीता लोधी, लक्ष्मीपति राजू, सीजू एन्थोनी, श्वेता मिश्रा सहित अलग अलग राजनीतिक पार्टी के जनप्रतिनिधि और आम शिव भक्तों ने शिवनाथ नदी के एनीकट पर डुबकी लगाने के बाद कांवड़ यात्रा प्रारम्भ किया। इस दौरान रह रहकर बोलबम का जयकारा गूंजता रहा। कांवड़ यात्रा में हजारों शिव भक्तों ने भक्तिपूर्ण उत्साह के साथ भाग लिया।

शिवनाथ नदी एनीकट से शुरू हुई कांवड़ यात्रा का जगह जगह स्वागत किया गया। कांवड़ यात्रा का दुर्ग कोतवाली थाना, दुर्ग बस स्टैंड, साइंस कॉलेज, भिलाई के बत्तीस बंगला चौक, सेक्टर 9 चौक, सेक्टर 7 स्कूल, सिविक सेंटर चौक, सेक्टर 5 चौक, सेक्टर 4 चौक, सेक्टर 1 चौक पर उपस्थित शिव भक्तों ने स्वागत किया। इसके बाद कांवड़ यात्रा का नंदिनी रोड से होते हुए देना बैंक के पास से केनाल रोड में प्रवेश हुआ। इस सड़क से गुजरने के दौरान खुर्सीपार के गांधी चौक और गणेश मंदिर चौक में स्वागत के बाद कांवड़ यात्रा डबरा पारा तिराहा पहुंची। यहां से रवाना होने के बाद भिलाई-3 के बिजली कॉलोनी और सिरसा चौक पर कांवड़ यात्रा में शामिल विधायक देवेन्द्र यादव सहित हजारों शिव भक्तों का स्वागत किया गया। सिरसा चौक से रेलवे अण्डरब्रिज होते जी. केबिन के रास्ते जय हनुमान सेवा वाहिनी की कांवड़ यात्रा देवबलोदा पहुंची। हजारों कांवड़ियों ने यहां के कल्चुरी कालीन प्राचीन शिव मंदिर के स्वयंभू शिवलिंग का शिवनाथ नदी के जल से अभिषेक पूजन किया। भगवान भोलेनाथ का रुद्राभिषेक कर भोग भंडारा वितरित किया गया।

चैतन्य बघेल व महापौर निर्मल के साथ चरोदा से निकली कांवड़ यात्रा

चरोदा बस्ती के प्राचीन कुआं से देवबलोदा तक आज विशाल कांवड़ यात्रा निकाली गई। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के सुपुत्र चैतन्य बघेल और महापौर निर्मल कोसरे के साथ भिलाई - चरोदा नगर निगम क्षेत्र के पूरे 40 वार्ड के शिव भक्त इस कांवड़ यात्रा में शामिल हुए। कांग्रेस पार्टी के नेता अनेक पार्षद और जनप्रतिनिधियों ने भी कांवड़ यात्रा में हिस्सा लिया। कांवड़ यात्रा के दौरान हर हर महादेव और बोलबम का जयकारा पूरे रास्ते भर गूंजता रहा। चैतन्य बघेल और महापौर निर्मल कोसरे ने हजारों महिलाएं व पुरुष कांवड़ियों के साथ धोती व कुर्ता का पारम्परिक परिधान पहने कांवड़ उठाकर देवबलोदा का सफर पैदल तय किया। कांवड़ यात्रा का चरोदा हनुमान मंदिर, स्टेट बैंक, पंचशील नगर, पदुम नगर सीए हाउस के पास स्वागत किया गया। सिरसा चौक पर कांवड़ियों के लिए स्वल्पाहार की व्यवस्था रखी गई थी। सिरसा चौक से अण्डरब्रिज होते हुए जी. केबिन पहुंचने पर कांवड़ियों का स्वागत हुआ। यहां से देवबलोदा पहुंचकर प्राचीन शिव मंदिर में भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक व रुद्राभिषेक करने के बाद भोग वितरण किया गया।

10 दिन में तीन नक्सली ढेर, सुरक्षाबलों को मिली एक और बड़ी कामयाबी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सोमवार को सुरक्षाबलों को बड़ी सफ्लता हाथ लगी है। यहां नक्सलियों के साथ हुई मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने एक नक्सली को मार गिराया है। घटना सुबह सात बजे की है।

पुलिस महानिरीक्षक (बस्तर रेंज) सुंदरराज पी ने बताया कि मुठभेड़ सुबह भंडारपदार गांव के पास एक जंगल में हुई। उन्होंने बताया, जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) की एक टीम नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी। इसी दौरान घात लगाकर बैठे नक्सलियों ने उन पर गोलीबारी शुरू कर दी।

इसके बाद डीआरजी जवानों की ओर से भी जवाबी कार्रवाई की गई, जिसमें एक नक्सली को मार गिराया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया, मृतक की पहचान माओवादियों की संभागीय समिति के सदस्य (डीवीसी) माडवी हद्मा के रूप में हुई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया, पूरे इलाके की घेराबंदी कर ली गई है और तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, पिछले दस दिनों में यह तीसरी ऐसी घटना है जिसमें सुकमा जिले में तीन नक्सलियों को मार गिराया गया है। 29 जुलाई को 5 लाख रुपये का इनामी को बिंद्रापानी गांव के पास पुलिस के साथ मुठभेड़ में मारा गया था। इसके बाद फूलबगड़ी इलाके में एक अन्य उग्रवादी को मार गिराया गया था।

मंकीपॉक्स से देश में पहली मौत: केरल के युवक की दूसरी जांच रिपोर्ट में भी मिला वायरस

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल के त्रिशूर में मंकीपॉक्स के संदिग्ध युवक की मौत मामले में डराने वाले तथ्य सामने आए हैं। युवक की मौत के बाद उसकी जांच रिपोर्ट सामने आई है। सूत्रों के मुताबिक, मृतक में मंकीपॉक्स की पुष्टि हुई है। इसके बाद से स्वास्थ्य महकमे में हड़कंप मचा हुआ है। दरअसल, शनिवार को केरल के त्रिशूर में एक 22 साल के व्यक्ति की मौत हो गई थी। मृतक में मंकीपॉक्स के लक्षण पाए गए थे और वह हाल ही में संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा कर भारत लौटा था।

ऐसे में कौन चाहेगा गरीबी रेखा से बाहर आना

दीपक रंजन दास

कोरोना काल में बड़ी संख्या में लोग एपीएल से बीपीएल हो गए। दो साल में बिलासपुर का ही आंकड़ा लें तो यहां 52 हजार से भी अधिक नए बीपीएल कार्ड बने हैं। दो साल पहले जिले में 3 लाख 76 हजार 219 बीपीएल राशन कार्ड थे जबकि अब संख्या बढ़कर 4 लाख 28 हजार 949 हो गई है। राजधानी रायपुर में यह संख्या और भी अधिक है। वैसे भी एपीएल बनना स्टेटस सिम्बल से ज्यादा कुछ नहीं है। थोड़ी सी आमदनी बढ़ी नहीं कि आदमी बीपीएल से एपीएल हो जाता है। इसके साथ ही वह बीपीएल को मिलने वाली तमाम सुविधाओं से भी वंचित हो जाता है। जिस एपीएल श्रेणी में वह जाता है वहीं लखपति और करोड़पति भरे पड़े हैं। उसकी हालत धोबी के कुत्ते जैसी हो जाती है, न घर का न घाट का। इसलिए जब कोरोना काल में मौका मिला तो वह चुपचाप वापस बीपीएल हो गया। खुद सरकार का मानना है कि प्रधानमंत्री अन्न योजना, बीपीएल गैस सिलिंडर और सबसे बढ़कर आयुष्मान कार्ड में मिलने वाला 5 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज इसका सबसे बड़ा कारण है। हालांकि इसमें कुछ मामले वास्तविक हैं। जिन परिवारों में एकमात्र कमाऊ सदस्य की मृत्यु हो गई, उनकी हालत बहुत दयनीय है। पर ऐसे लोगों की संख्या उंगलियों पर गिनी जा सकती है। इससे थोड़े ज्यादा वो लोग हैं जिन्होंने कोरोना के दौरान अपना रोजगार गंवा दिया। दो साल किसी तरह जीवित रहे। ऐसे लोगों को भी राहत की जरूरत थी। दरअसल, एपीएल और बीपीएल तय करने के मापदंड में ही बड़ा झोल है। 5-10 हजार की मामूली नौकरी मिलते ही व्यक्ति बीपीएल से एपीएल हो जाता है। सरकार मान लेती है कि अब उसकी माली हालत इतनी अच्छी हो गई है कि वह एक रुपये के बजाय दस रुपए किलो चावल खरीद सकता है। उसे अब सरकारी आवास योजना की कोई जरूरत नहीं है। वह अपना मकान खुद खरीद सकता है। इलाज के लिए लाखों रुपए की व्यवस्था वह खुद कर सकता है। कामकाजी व्यक्ति आयुष्मान योजना के तहत केवल 50 हजार रुपए तक का इलाज करवा सकता है जबकि बीपीएल श्रेणी के लोग 5 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज करा सकते हैं। उसे सस्ते गैस सिलिंडर की भी जरूरत नहीं है। वह हजार रुपए की गैस तो खरीद ही सकता है। दरअसल असली बीपीएल तो वह है जिसे हमने एपीएल मान लिया है। उसका संघर्ष ज्यादा है। जेब में फूटी कौड़ी न हो पर उसे स्टैंडर्ड मेनटेन करना होता है। एक टुच्ची नौकरी उसका सौतन बन बैठी है। सरकार को चाहिए कि वह बीपीएल की परिभाषा बदले। भोजन, आवास, शिक्षा और स्वास्थ्य प्रत्येक नागरिक का अधिकार है। इसपर टुच्ची राजनीति न करे।

संपादकीय

संक्रमण का खतरा

मंकीपॉक्स को लेकर बढ़ता तनाव न केवल दुखद, बल्कि चिंताजनक भी है। देश में अभी तक मंकीपॉक्स के कुल मामलों को लेकर स्पष्टता नहीं है, लेकिन बताया जा रहा है कि केरल में मंकीपॉक्स के कारण 22 वर्षीय व्यक्ति की जान चली गई है। इसकी सही जांच जरूरी है, अगर यह मौत चिकनपॉक्स से भी हुई है, तो चिंता की बात है। किसी भी तरह से मंकीपॉक्स से जुड़े तथ्यों को छिपाना नहीं चाहिए। कोरोना के शुरुआती दिनों में जिस तरह का संदेह देश के कुछ इलाकों में था, उस तरह की स्थिति मंकीपॉक्स को लेकर न बने, तो अच्छा है। जहां एक ओर, भारत में इस वायरस की जल्दी व किफायती जांच की जरूरत है, वहीं उससे भी जरूरी है कि इसके संक्रमण को रोका जाए। तनाव भले ज्यादा हो, लेकिन मोटे तौर पर भारत में मंकीपॉक्स के मामले ज्यादा नहीं हैं। अच्छी खबर यह भी है कि मंकीपॉक्स का पहला मरीज अब ठीक हो गया है। इस अनुभव से सीखा जा सकता है। क्या किसी विशेष उपचार की जरूरत पड़ी है? इसकी चिकित्सा संबंधी सूचनाओं का अधिक से अधिक प्रचार होना चाहिए।

> “ भारत में इस बीमारी के ज्यादा न फैलने के दूसरे कारण भी हो सकते हैं। शायद भारतीयों का स्नान प्रेम काम आ रहा है। ऐसे कई देश हैं, जहां लोग कई-कई दिनों तक स्नान नहीं करते हैं। कुल मिलाकर, प्राथमिक रूप से यह बीमारी भी हमें साफ-सफाई के लिए प्रेरित कर रही है। स्वयं को स्वस्थ रखने के प्रति सजगता का भी विस्तार जारी रहना चाहिए, ताकि निरोग रहने में मदद मिले।

ध्यान रहे, अफ्रीका के बाहर स्पेन व ब्राजील में भी मंकीपॉक्स से मौत की खबर है। न्यू यॉर्क शहर के अधिकारियों ने मंकीपॉक्स के मामलों की बढ़ती संख्या के कारण सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल की घोषणा कर दी है। शहर के कुल 1,50,000 निवासियों को मंकीपॉक्स के संक्रमण का खतरा हो सकता है। न्यू यॉर्क में सावधानी बरतते हुए स्वास्थ्य कोड की पालना शुरू हो गई है। संक्रमण को रोकने के लिए विशेष टीमों को सक्रिय किया गया है। सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल ऐंड प्रिवेंशन डाटा के अनुसार, शुक्रवार तक न्यू यॉर्क शहर में मंकीपॉक्स के कुल 1,345 मामले दर्ज किए गए थे और कैलीफोर्निया में 799 मामले थे। कोरोना के बाद यह एक बड़ी आपदा है, जिसका सामना अमेरिका को करना पड़ रहा है। न्यू यॉर्क शहर में अगर इस बीमारी को नहीं रोका गया, तो इसके और फैलने की आशंका है। इस बीच विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने भी घोषित किया है कि मंकीपॉक्स का प्रकोप एक वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल है। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक ने कहा है कि यदि संक्रमित देशों, समुदायों और व्यक्तियों को इस बीमारी के बारे में जागरूक किया जाए और लोगों में इसके संक्रमण को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं, तो इसके प्रकोप को रोका जा सकता है। अब तक लगभग 80 देशों में 22,000 से अधिक मंकीपॉक्स के मामले सामने आए हैं और लगभग 75 संदिग्ध मौतें अकेले अफ्रीका में दर्ज की गई हैं। मरने वालों की बढ़ती संख्या चिंता बढ़ा रही है। अत: अगर दुनिया के दूसरे देशों से तुलना करें, तो भारत इस बीमारी के मामले में अन्य देशों से बहुत बेहतर स्थिति में है। लेकिन इस वजह से भारत को किसी खुशफहमी का शिकार नहीं होना चाहिए। पहले कोरोना के बारे में भी यही कहा गया था कि भारत में यह बीमारी उतनी नहीं फैलेगी। यह भ्रांति कतई नहीं होनी चाहिए कि मंकीपॉक्स जानलेवा नहीं है। भारत में इस बीमारी के ज्यादा न फैलने के दूसरे कारण भी हो सकते हैं। शायद भारतीयों का स्नान प्रेम काम आ रहा है। ऐसे कई देश हैं, जहां लोग कई-कई दिनों तक स्नान नहीं करते हैं। कुल मिलाकर, प्राथमिक रूप से यह बीमारी भी हमें साफ-सफाई के लिए प्रेरित कर रही है। स्वयं को स्वस्थ रखने के प्रति सजगता का भी विस्तार जारी रहना चाहिए, ताकि निरोग रहने में मदद मिले।

आदिवासी भारत के और कनाडा के

भारत में आदिवासियों को कितना महत्व दिया जाता है, इसे आप इसी तथ्य से समझ सकते हैं कि इस समय भारत की राष्ट्रपति एक आदिवासी, वह भी महिला द्रौपदी मुर्मू हैं और तीन राज्यपाल आज भी आदिवासी हैं। छत्तीसगढ़ की राज्यपाल अनुसूय्या उइके ने जो मूलत: मध्यप्रदेश की हैं, आदिवासियों के लिए कई नई पहल की हैं। भारत में कई आदिवासी मुख्यमंत्री और मंत्री हैं और पहले भी रहे हैं। संसद में भी भारत के लगभग 50 सदस्य आदिवासी ही होते हैं। कई विश्वविद्यालयों के उप-कुलपति और प्रोफेसर भी आदिवासी हैं।

भारत के कई डाक्टर और वकील भी आपको आदिवासी मिल जाएंगे। सरकारी नौकरियों और संसद में उन्हें आरक्षण की भी सुविधा है लेकिन आप जरा जानें कि अमेरिका और कनाडा के आदिवासियों का क्या हाल हैं। मैं अपनी युवा अवस्था से इन देशों में पढ़ता और पढ़ाता रहा हूं। मुझे इनके कई आदिवासी इलाकों में जाने का मौका मिला है। यह संयोग है कि मेरे साथी छात्रों में कभी कोई अमेरिकी या कनीडेयन आदिवासी नहीं रहा है। वहां के आदिवासी आज भी जानवरों की जिंदगी जी रहे हैं।

उनसे माफी मांगने के लिए पोप फ्रांसिस, जो कि 86 साल के हैं, आजकल कनाडा गए हैं। व्हीलचेयर में बैठे पोप वहां क्यों गए हैं? ईसाई पादरियों और गोरे प्रवासियों द्वारा वहां के आदिवासियों पर किए गए अत्याचारों के लिए माफी मांगने के लिए गए हैं। पिछले 80-90 साल में आदिवासियों के लगभग डेढ़ लाख बच्चे लापता हो चुके हैं। इन बच्चों को उनके घर से जबरन उठाकर ईसाई स्कूल में भर्ती कर दिया जाता था।

उन पर हुए अत्याचारों की कहानी रौंगटे खड़े कर देती है। हजारों बच्चे भूख से तड़फ-तड़फ कर मर गए, हजारों के साथ बलात्कार हुए और हजारों की हत्या कर दी गई। उनके ईसाई स्कूल उनके गांवों से इतने दूर बनाए जाते थे कि उनके माँ-बाप उन तक नहीं पहुंच सकें। कनाडा सरकार ने जांच आयोग बिठाकर जो तथ्य उजागर किए हैं, उनसे पोप मर्माहत हुए और कनाडा जाकर उन आदिवासियों से माफी मांगने का संकल्प किया।

कनाडा सरकार ने उनके पुनरोद्धार के लिए 40 बिलियन डॉलर देने की घोषणा की है। अमेरिका और केनाडा के आदिवासियों को 'रेड इंडियन' और 'इंडियन' कहा जाता है लेकिन ज़रा देखिए कि उन देशों और भारत के आदिवासियों में कितना फर्क है।

वेद प्रताप वैदिक

> “ यहां तक कि वे देश भी, जो अपने आप को गुटनिरपेक्ष कहते थे और किसी एक का पक्ष न लेने की कसमें खाते थे, वक्त-बेवक्त किसी एक पक्ष के साथ खड़े दिखाई देते थे। इस बार ऐसा नहीं है। कम से कम अभी तक तो नहीं है। यह उम्मीद कैसे की जाए कि 21वीं सदी के 22वें साल में यह दुनिया जब किसी तनाव में फंसेगी, तो 21वीं सदी वाले समीकरण ही उसकी किस्मत का फैसला करने आगे आएंगे। ऐसा सोचना पिछली एक सदी के इतिहास और उस दौरान आए व्यापक बदलावों को भी नकारना होगा।

यूक्रेन रूस लड़ाई को क्या नाम दें

हरजिंदर, वरिष्ठ पत्रकार

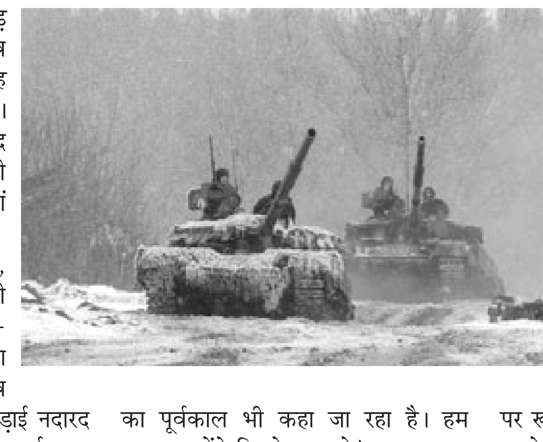

किसी भी युद्ध के लिए डेढ़ सौ दिन का समय बहुत लंबा होता है। लड़ाई चाहे कितनी भी भयानक क्यों न चल रही हो, इतने दिनों में युद्ध की उबाऊ खबरें अखबारों में अंदर के पन्नों पर चली जाती हैं और न्यूज चैनल उनका जिक्र तक बंद कर देते हैं। रूस और यूक्रेन के बीच चल रही जंग फिलहाल इसी दौर से गुजर रही है। 24 फरवरी को जब रूस ने यूक्रेन पर हमला बोला था, तब बड़ी आसानी से यह मान लिया गया था कि जल्द ही वह रूस की बलशाली सेना के कब्जे में आ जाएगा। टेलीविजन की खबरों में हर पल यही बताया जाता था कि रूसी सेना यूक्रेन की राजधानी कीव से अब कितनी दूर है। यूक्रेन तो खैर शुरू से ही रक्षात्मक मुद्रा में था, लेकिन इस युद्ध में रूस को जो पापड़ बेलने पड़ रहे हैं, उसने आसान सी समझी जाने वाली विजय यात्रा को टेढ़ी खीर बना दिया है। लेकिन यह जंग उससे भी टेढ़ी खीर युद्धशास्त्र के उन माहिरों और राजनय के विशेषज्ञों के लिए बन गई है, जो इस लड़ाई को परिभाषित करने की कोशिश कर रहे हैं।

जंग जब शुरू हुई थी, तब तकरीबन सभी ने इसे शीत युद्ध की वापसी कहना शुरू कर दिया था। किसी युद्ध विश्लेषक के लिए यह नया शीत युद्ध था, तो किसी के लिए यह दूसरा शीत युद्ध। यह कहना बहुत आसान भी था, क्योंकि शीत युद्ध की तरह इस बार भी तनाव मुख्यत: अमेरिका और रूस के बीच था। इस बार भी दोनों की सेनाएं आमने-सामने नहीं लड़ रही थीं। शीत युद्ध की तरह ही इस बार भी दुनिया भर में हथियारों की एक नई होड़ शुरू हो गई थी। मगर नए तनाव को पुराने चश्मे से देखने का यह सिलसिला लंबा नहीं चल सका। जंग शुरू होने के कुछ समय बाद ही इस नए शीत युद्ध की अवधारणाओं से असहमतियां उपजनी शुरू हो गईं।

जिसे हम शीत युद्ध कहते थे, वह दरअसल दो परस्पर विरोधी विचारधाराओं की लड़ाई थी- साम्यवाद और उदारवाद या पूंजीवाद। लेकिन अब जो तनाव है, उससे विचारधाराओं की लड़ाई नदारद है। इस लड़ाई में आपको रूस समर्थक या यूक्रेन समर्थक देश तो बहुत आसानी से दिख जाएंगे, लेकिन वह दुनिया अब कहीं नहीं है, जिसमें इसका अर्थ होता था, साम्यवाद समर्थक और पूंजीवाद समर्थक।

एक विचार यह भी है कि दरअसल जिसे हम शीत युद्ध कहते हैं, वह युद्ध था ही नहीं। वह एक तरह का संतुलन था, जिसे अंदर खदबदाती तरह-तरह की आग के बावजूद दुनिया ने साध रखा था, जबकि इस समय मामला किसी संतुलन के सधने का नहीं, बल्कि बिगड़ जाने का है। कुछ इतिहासकार तो अब यहां तक कहने लगे हैं कि दुनिया में इस समय वैसी ही परिस्थितियां बनती जा रही हैं, जैसी प्रथम विश्व युद्ध के पहले थीं। इसलिए रूस और यूक्रेन की इस लड़ाई को किसी बड़े युद्ध का पूर्वकाल भी कहा जा रहा है। हम कामना करेंगे कि ऐसा न हो!

जब शीत युद्ध था, तब अमेरिका और सोवियत संघ दुनिया की सबसे बड़ी ताकतें थीं, जिनके आसपास उस तनाव का पूरा ध्रुवीकरण हुआ था। अमेरिका तो अब भी अपनी जगह पर बना हुआ है, लेकिन रूस के बारे में ऐसा नहीं कहा जा सकता। सैनिक ताकत के रूप में चीन बहुत पहले रूस को काफी पीछे छोड़ चुका है। चीन ने जिस तरह के हथियारों का उत्पादन किया है और जिस तरह से अपनी सेना को आधुनिक तकनीक से सुसज्जित किया है, उसके बाद से यह माना जाने लगा है कि ताकत के मामले में चीन अगर अमेरिका से बीस नहीं है, तो उन्नीस भी नहीं रह गया है। हालांकि, यह भी सच है कि चीन के पास युद्ध लड़ने का कोई ताजा अनुभव नहीं है। उसने आखिरी लड़ाई सन 1979 में वियतनाम से लड़ी थी, जिसमें उसे हार का मुंह देखना पड़ा था। बावजूद इसके चीन को ही इस समय दुनिया की दूसरी बड़ी ताकत माना जाता है। अमेरिका अपनी तैयारियां भी इसी हिसाब से कर रहा है। क्वाड जैसी व्यूह रचनाएं भी इसीलिए तैयार की जा रही हैं। रूस और यूक्रेन की लड़ाई में चीन ने जो रुख अपनाया है, उसने सभी को हैरत में डाला है। वह खुले तौर पर रूस के समर्थन में नहीं आया, लेकिन उसने व्लादिमीर पुतिन को रोकने की कोशिश भी नहीं की। तमाम विश्लेषकों का कहना है कि चीन इस लड़ाई के लंबा खिंचने में ही अपना हित देख रहा है। जितनी लंबी यह लड़ाई खिंचेगी, रूस उतना ही कमजोर होगा और उतनी ही उसकी चीन पर निर्भरता बढ़ेगी। यानी, अगर नए तनाव के ध्रुव अमेरिका और चीन हैं, तो फिर अमेरिका और रूस के शीत युद्ध की बात करने का कोई अर्थ नहीं।

वर्तमान के विश्लेषण में एक खतरा यह भी होता है कि हम अक्सर उसमें अतीत का दोहराव या उसकी कोई परछाईं खोजने लग जाते हैं। हम इतिहास से सबक नहीं लेते, लेकिन उसके उदाहरणों के प्रभाव में आ जाते हैं। अगर कोई तानाशाह दिखता है, तो हम उसकी तुलना तुरंत हिटलर से करने लगते हैं। कहीं कोई अति-राष्ट्रवादी विचारधारा उभरती है, तो हम उसमें नाजीवाद के दर्शन करने लगते हैं। इसी तरह, किसी भी वैश्विक तनाव की व्याख्या हम दोनों विश्व युद्ध और शीत युद्ध की सीमाओं में खोजते हैं। नए दौर को पुराने वक्त से परिभाषित करने का एक नतीजा यह भी होता है कि हम सरलीकरण कर देते हैं और समस्या की बहुत सारी जटिलताएं नजरअंदाज हो जाती हैं।

यही रवैया हम रूस और यूक्रेन की वर्तमान लड़ाई के मामले में भी अपना रहे हैं। इस युद्ध ने पश्चिमी देशों को दो हिस्सों में जरूर बांटा है, लेकिन बाकी दुनिया उस तरह से दो हिस्सों में नहीं बंटी, जैसी शीत युद्ध की दो ध्रुवीय दुनिया बंटी थी। यहां तक कि वे देश भी, जो अपने आप को गुटनिरपेक्ष कहते थे और किसी एक का पक्ष न लेने की कसमें खाते थे, वक्त-बेवक्त किसी एक पक्ष के साथ खड़े दिखाई देते थे। इस बार ऐसा नहीं है। कम से कम अभी तक तो नहीं है। यह उम्मीद कैसे की जाए कि 21वीं सदी के 22वें साल में यह दुनिया जब किसी तनाव में फंसेगी, तो 21वीं सदी वाले समीकरण ही उसकी किस्मत का फैसला करने आगे आएंगे। ऐसा सोचना पिछली एक सदी के इतिहास और उस दौरान आए व्यापक बदलावों को भी नकारना होगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

जमानत की आस में गुनाह से बड़ी सजा काटते कैदी

हरबंश दीक्षित, विधि विशेषज्ञ

जमानत के लिए लंबे समय से विचाराधीन मामलों पर सर्वोच्च न्यायालय ने एक बार फिर चिंता व्यक्त की है। बीती 25 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति एस के कौल और न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश की पीठ ने इस बात पर चिंता जताई कि कई विचाराधीन कैदी पिछले एक दशक से भी अधिक समय से जेल में बद हैं और उनकी जमानत अर्जी पर सुनवाई नहीं हो पा रही है। न्यायालय की नाराजगी इस बात से समझी जा सकती है कि सुप्रीम कोर्ट ने सरकार और इलाहाबाद हाईकोर्ट से कहा कि या तो आप लोग ऐसे मामलों में निर्णय लें, अन्यथा जरूरत पड़ने पर ऐसे सभी मामलों के लिए व्यापक आदेश पारित कर सबको जमानत दे दी जाएगी।

भारतीय जेलों में कैद कुल बंदियों में से दो तिहाई से अधिक संख्या विचाराधीन कैदियों की है। उनके ऊपर लगे आरोपों के बारे में अभी अदालतों को निर्णय लेना है कि उन्होंने वास्तव में अपराध किया भी है या नहीं। इनमें से तकरीबन आधे कैदी तो जमानत योग्य छोटे-छोटे अपराधों के आरोपित हैं। कानून के मुताबिक, जमानत मिलना उनका अधिकार है, लेकिन जागरूकता के अभाव में या कई बार तकनीकी कारणों से वे लंबे समय से बगैर दोष साबित हुए जेल में बंद हैं। दंड शास्त्र का स्थापित सिद्धांत है कि बिना अपराध साबित हुए किसी व्यक्ति को जेल में बंद नहीं रखा जाना चाहिए। जमानत के प्रार्थनापत्र का शीघ्रता से निस्तारण संविधान के अनुच्छेद 21 के अंतर्गत जीवन और दैहिक स्वतंत्रता के मूल अधिकार का हिस्सा है। ऐसे प्रार्थनापत्रों का एक समय-सीमा में निस्तारण होना चाहिए, और जब तक अभियुक्त को छोड़ने से न्याय पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका न हो, तब तक उसे जमानत से इनकार नहीं किया जाना चाहिए। पर हकीकत इससे अलग है।

भारतीय कानून में जमानत के व्यापक उपबंध दिए हुए हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने भी समय-समय पर दिशा-निर्देश जारी करके जमानत की प्रक्रिया को आसान बनाने का प्रयास किया है। दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 436 में कहा गया कि जमानती अपराध का अभियुक्त का यह अधिकार है कि उसे जमानत दी जाए। यदि वह जमानत भरने को तैयार है, तो मुकदमे के किसी भी चरण में जमानत की मांग कर सकता है और उसे जमानत देने से इनकार नहीं किया जा सकता। गैर-जमानती मामले, जमानती मामलों से अलग होते हैं। उनमें अभियुक्त अधिकार के रूप में जमानत की मांग नहीं कर सकता। इसका यह मतलब यह नहीं है कि उसे जमानत नहीं दी जा सकती। दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 437 के गैर-जमानती मामलों में ऐसे आरोपितों को जमानत नहीं दी जाती, जिनके बारे में अदालत को यह विश्वास करने का कारण हो कि अभियुक्त को मृत्युदंड या आजीवन कारावास की सजा हो सकती है। हालांकि, ऐसे मामलों में भी बीमार लोगों, बच्चों या महिलाओं के लिए यह व्यवस्था है कि अदालत उन्हें अपने विवेक से जमानत दे सकती है।

जमानत की पहली अर्जी जिला अदालतों के सामने आती है। इन अदालतों की कुछ व्यावहारिक परेशानियां हैं, जिनको नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कुछ मामले तो ऐसे होते हैं, जो मीडिया में इतना तूल पकड़ लेते हैं कि अदालतों पर यह दबाव बन जाता है कि वे जमानत देने का जोखिम नहीं उठा सकते। वे तकनीकी रूप से चाहे जितने सही हों, हमारा समाज उनकी उस अच्छाई को समझने लायक अभी परिपक्व नहीं हो पाया है। फिर उन्हें अपने खिलाफ जांच की भी आशंका रहती है। हाल के दिनों में न्यायिक अधिकारियों के खिलाफ निराधार शिकायतों की संख्या खूब बढ़ी है। ऐसे में, संवेदनशील न्यायाधीश को न्याय देने के साथ ही अपनी प्रतिष्ठा की चिंता भी रहती है। यही कारण है कि कई बार कोई निर्णय न लेना सबसे सुरक्षित विकल्प होता है।

इस चक्रव्यूह से निकलने के लिए यह जरूरी है कि जमानत देने या इनकार करने की स्पष्ट कानूनी व्यवस्था हो, ताकि अभियुक्त के साथ न्याय हो और न्यायाधीश को अपने करियर को लेकर कोई चिंता न रहे। ग्रेट ब्रिटेन, अमेरिका, न्यूजीलैण्ड, श्रीलंका जैसे मुल्कों ने जमानत के लिए अलग से कानून बनाया है और उसके अच्छे परिणाम आए हैं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

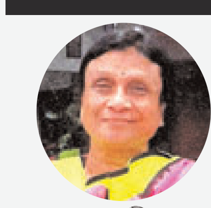

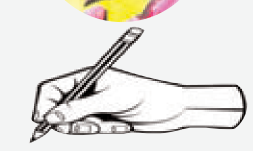

चलो एक बार
मुस्कुरा लेते हैं
दोस्तों, नये जीवन
का संचार करके
उदासियों को समेट
लेते हैं।

-अंजली जैन
7024460938

भारत में जनसंख्या विस्फोट

अजय दीक्षित

भारत की जनसंख्या करीब 140.80 करोड़ है और यह प्रत्येक मिनट बढ़ रही है, क्योंकि औसतन 30 बच्चे हरेक मिनट पर जन्म लेते हैं । चीन में यह औसत 10 रह गई है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी एक रपट के मुताबिक, भारत की आबादी 141 करोड़ से अधिक है और 2023 में वह चीन को पार कर जाएगा। आबादी 142.9 करोड़ से अधिक होगी। चूंकि 11 जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस था, लिहाजा ये आंकड़े हमें सचेत करते हैं । दुनिया की कुल ज़मीन का मात्र 2 फीसदी ही भारत के हिस्से में है। पानी सिर्फ 4 फीसदी उपलब्ध है, लेकिन आबादी 18 फीसदी से ज्यादा है । एक दौर ऐसा आ सकता है, जब एक-एक इंच जमीन, एक बाल्टी पानी, स्वच्छ घी, दूध, फल-सब्जी आदि के लिए भारत में मार-काट के हालात बन सकते हैं ! भारत में जनसंख्या असन्तुलन के मद्देनजर अव्यवस्था और अराजकता के लिए विशेषज्ञ लगातार चेतावनी देते रहे हैं । देश के प्रधानमंत्री समेत लगभग सभी बड़े राजनेता आज भी 125-130 करोड़ की आबादी पर ही अटके हैं । कुछ अपडेट मुख्यमंत्री और नेता 135 करोड़ आबादी का उल्लेख करते रहे हैं । किसी को यथार्थ की विस्फोटक स्थितियों की जानकारी ही नहीं है। ऐसे में देश के सबसे बड़े और अधिकतम आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ चिंता जताते हैं कि एक वर्ग विशेष की आबादी तेज गति से बढ़नी नहीं चाहिये । और मूल निवासियों की जनसंख्या लगातार घटनी नहीं चाहिये, तो उन पर हिंदू-मुसलमान के आरोपों की बौछार शुरू हो जाती है । आरएसएस और भाजपा का जनसंख्या सम्बन्धी एजेण्डा याद आने लगता है । मुख्यमंत्री योगी ने हमारी जनसंख्या की हकीकत बयां की है। यह उत्तर प्रदेश ही नहीं, पूरे देश की ऐसी समस्या है, जो देश के औसत नागरिक का स्वास्थ्य, शिक्षा, रोज़गार, स्वच्छ पर्यावरण और पोषण आदि को छीन सकती है । इस दौरान टीवी चैनलों पर एक दृश्य दिखाया जाता रहा कि उत्तर प्रदेश में ही एक पिता और दो माताओं की 19 संतानें हैं । पिता जर्जर काया है । गरीब लगता है, लेकिन बच्चों को 卐भगवान का उपहार मान रहा है । यह परिवार कैसे गुजारा करता होगा, भोजन की व्यवस्था कैसे होती होगी, बच्चों की पढ़ाई और पोषण की स्थिति क्या है, सिर पर छत भी नहीं है । ऐसे असंख्य उदाहरण इस देश में होंगे । क्या उनके रहते जनसंख्या नियंत्रण के प्रयास किए जा सकते हैं ? यह भारत के जनसंख्या असन्तुलन और नियंत्रण के प्रति अज्ञानता, का एक वीभत्स उदाहरण भी है । इस समस्या से जागरूकता और प्रचार के स्तर पर ही निपटा नहीं जा सकता । भारत में जनसंख्या पर एक कड़ा कानून होना चाहिये । चीन को उदाहरण माना जा सकता है। यदि 1979 में चीन ने एक बच्चा नीति वाला कानून कड़ाई से लागू नहीं किया होता, तो आज चीन की आबादी 250 करोड़ से अधिक होती । आज चीन की आबादी की गति भारत से कम है। हालांकि हमारे यहां भी प्रजनन दर कम हुई है, मृत्यु दर भी कम हुई है, लेकिन औसत जिन्दगी की उम्र 70 साल से ज्यादा है । भारत में जनसंख्या विस्फोट की स्थिति अब नहीं है, लेकिन फिर भी आबादी बढ़ रही है और हमारे संसाधन सीमित हैं । संयुक्त राष्ट्र और वर्ल्ड इकॉनोमिक फोरम के मुताबिक, दुनिया की आबादी फिलहाल 795.95 करोड़ से ज्यादा है, जो इसी साल के अंत या 2023 के शुरू में 800 करोड़ के पार जा सकती है। दुनिया में प्रति मिनट औसतन 270 बच्चों का जन्म हो रहा है । विश्व स्तर पर यह बढ़ोतरी मानवता के पक्ष में नहीं है। दरअसल भारत के सन्दर्भ में बढ़ती आबादी वर्ग विशेष के लिए भी खतरनाक है, क्योंकि वह अपेक्षाकृत अशिक्षित, गरीब, कुप्रथाओं में जकड़ा है । वह बच्चों को अपनी ताकत मानता रहा है, लेकिन पालन पोषण को लेकर मोहताज है । यदि एक वर्ग की आबादी बढ़ती रहे और दूसरी तरफ ईसाई, पारसी, जैन आदि अल्पसंख्यक समुदायों की आबादी की बढ़ोतरी नकारात्मक रहे, तो आबादी का ऐसा असंतुलन देशहित में नहीं है। बहरहाल भारत सरकार को पहल करनी होगी और देशभर में विमर्श की शुरुआत । यह सिर्फ वर्ग विशेष को निशाना बनाने की समस्या नहीं है। सुरस की भांति बढ़ रही है । इस पर कानून का ड्राफ्ट बने ।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे
9827806026, 7869620239

महक सेनीटेशन

आपके शहर में सेनेटरी का भव्य शोरूम
सी पी फिटिंग व सेनेटरी की भव्य रेंज किफायती दरों में
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें
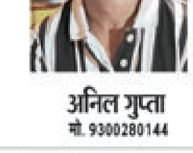
अनिल गुप्ता मो. 9300280144
शाप नं. 102, 103, किशोर प्लाजा, ग्रीन चौक दुर्ग (छ.ग.)
अनिल गुप्ता, मो. 9300280144

Sargam Musicals

Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

लक्ष्मी ज्वेलर्स

कुशल
9770584111
8959994444
स्टेशन रोड, कर्नाटका बैंक के सामने, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

शिशु के लिये सर्वोत्तम आहार है, मां का दूध, आज से मनाया जाएगा स्तनपान सप्ताह

1 घंटे के अंदर स्तनपान की दर में छत्तीसगढ़ 30 और बस्तर 42 प्रतिशत

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास तथा नवजात शिशु मृत्यु दर में कमी लाने एवं कुपोषण से बचाने में स्तनपान का विशेष महत्व होता है। इस जानकारी को जनसाधारण तक पहुंचाने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष 'विश्व स्तनपान सप्ताह' मनाया जाता है। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी जिले में 1 से 7 अगस्त तक स्टेप अप फॉर ब्रेस्टफीडिंग, एजुकेट एंड सपोर्ट यानी स्तनपान शिक्षा और सहायता के लिए कदम बढ़ाएं की थीम पर विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जाएगा।

इस संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.के.चतुर्वेदी ने बताया: विश्व स्तनपान सप्ताह में महिलाओं को स्तनपान कराने के लिए प्रेरित किया जाएगा। साथ ही महिलाओं में स्तनपान संबंधी भ्रांतियों को दूर किया जाएगा। शिशु के स्तनपान अधिकार के प्रति जागरूकता प्रदान करना भी इस सप्ताह को मनाने का उद्देश्य है। बच्चे को 6 महीने तक मां का दूध जरूर पिलाना चाहिए। मां का दूध शिशु के लिए सर्वोत्तम आहार है। प्रसव के तुरंत बाद एक घंटे के भीतर शिशु को मां के स्तनपान से मिलने वाला गाढ़ा दूध शिशु के स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभदायक होता है, इसीलिए शिशु को स्तनपान अवश्य कराना चाहिए। मां के दूध से बच्चे को रोगों से लड़ने की शक्ति मिलती है। इसीलिए 6 महीने तक शिशु को केवल स्तनपान ही कराना चाहिए। इसके बाद स्तनपान कराने के साथ-साथ ऊपरी पौष्टिक पूरक आहार भी देना चाहिए।

उन्होंने आगे बताया मां के दूध में बच्चों के लिए प्रोटीन, वसा, कैलोरी ,लैक्टोज, विटामिन, पानी और एंजाइम पर्याप्त मात्रा में होते हैं। मां का दूध पचने में त्वरित और आसान होता है। यह बच्चे को सक्रमण से सुरक्षित करता है। बच्चों के मानसिक एवं शारीरिक विकास हेतु स्तनपान अत्यंत महत्वपूर्ण है जिसका शिशु एवं बाल स्वास्थ्य पर अहम प्रभाव पड़ता है।

एनएफएचएस -5 सर्वे में भी छत्तीसगढ़ में 1 घंटे के अंदर स्तनपान की दर शहरी क्षेत्र में 30.0 प्रतिशत है और ग्रामीण क्षेत्रों में स्तनपान की दर 32.8 है। वहीं प्रदेश में स्तनपान की दर कुल 32.2 प्रतिशत है जबकि बस्तर में 42 प्रतिशत है।

स्तनपान को बढ़ावा देने के लिए मां कार्यक्रम- भारत सरकार ने वर्ष 2016 में स्तनपान को बढ़ावा देने के लिए मां कार्यक्रम की शुरुआत की थी ।'मां' कार्यक्रम में सभी चिकित्सा इकाइयों को बेबी फ्रेंडली बनाने का प्रयास किया जा रहा है । इस कार्यक्रम के माध्यम से स्तनपान को सफल बनाने के लिए प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मी नियमित रूप से मां और समुदाय के साथ संपर्क में रह रहे हैं ताकि गर्भवती महिला और जन्म के समय से 2 साल तक के बच्चों को नियमित रूप स्तनपान मिलता रहे। स्वास्थ्य केंद्रों में होने वाले प्रसव में चिकित्सक स्टाफ नर्स और एएनएम सभी के द्वारा स्तनपान के लिए परामर्श दिया जा रहा है।

राष्ट्रसंत का एक ही संदेश व्यसन मुक्त हो सारा देश

अनेक युवाओं ने किया नशे का त्याग, लिया व्यसन मुक्त जीवन का संकल्प

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जीवन में जो भी संस्कार आते हैं, उनके आने का पहला कारण होता है आदमी की संगत। क्योंकि जैसी संगत होती है, वैसी ही जीवन में रंगत आती है। सीधी-सादी सी बात है आसमान से टपकने वाली पानी बूंद अगर भूल से सांप के मुंह में चली जाए तो उसका भविष्य जहर बन जाता है और अगर वही बूंद सीप के मुंह में चली जाए तो उसका भविष्य मोती बन जाता है। अगर आपने अपने बच्चों को सांप जैसे लोगों की सोहबत दी है तो उनकी जिंदगी में जहर भरना तय है और आपने उन्हें सीप जैसे लोगों का साथ दिया है तो वे मोती जैसे सुंदर गुणों वाले बन जाएंगे। जिंदगी हमारी जिंदगी है, अगर चंदन जैसे लोगों के साथ रहेगी तो महक जाएगी और अगर कोयले जैसे लोगों के साथ रहेगी तो कालिमा से भर जाएगी। क्योंकि जैसा आदमी का मित्र होता है, वैसा ही उसका चरित्र होता है या जैसा आदमी का चरित्र होता है, वह अपनी जिंदगी में वैसा ही मित्र बनाता है।''

ये प्रेरक उद्गार राष्ट्रसंत महोपाध्याय श्रीललितप्रभ सागरजी महाराज ने आउटडोर स्टेडियम बूढ़ापारा में जारी दिव्य सत्संग 'जीने की कला' के अंतर्गत स्वास्थ्य सप्ताह के सातवें दिन रविवार को 'स्वयं को कैसे बनाएं संस्कारी-व्यसनमुक्त ' विषय पर व्यक्त किए। राजस्थानी भजन 'सुण सुण री म्हारी काया री लाड़ली, आत्मा रे दाग लगाइजे मति, भाया कुसंग में जाइजे मति...' के गायन से दिव्य सत्संग का शुभारंभ करते हुए संतप्रवर ने कहा कि हर इंसान अगर चाहे तो वह अपनी जिंदगी को सुधार सकता है। हर इंसान असत्य से सत्य की ओर, अंधकार से प्रकाश की ओर, मृत्यु से अमरत्व की ओर अपने जीवन को बढ़ा सकता है। आज की तारीख में अगर इंसान को सबसे बड़ी कोई जरूरत है तो वह है संस्कारों की दौलत। आपके घर के बाहर कार है ये आपकी समृद्धि की प्रतीक है और आपकी जिंदगी में अच्छे संस्कार हैं, ये आपकी महान संस्कृति का प्रतीक है। भगवान से ये प्रार्थना न करो कि मेरे पांव के नीचे और मेरे बच्चों के पांव के नीचे हमेशा कार रहे, भगवान से ये प्रार्थना करो कि हमारे बच्चों की जिंदगी में हमेशा अच्छे संस्कार रहें। संस्कारों से बढ़कर दुनिया की और कोई दौलत नहीं होती। अगर अच्छे संस्कारभरा परिवार है तो दुनिया में उससे अमीर आदमी और कोई हो नहीं सकता और जिसके घर में केवल दौलत है, केवल जमीन-जायजाद है और संस्कार अगर उस घर से निकल गए तो वह घर भी अपने-आपमें श्मशान के बराबर हो जाता है।

अपने बच्चों को केवल आसमान में चाँद-सितारे छूने की प्रेरणा मत दो, ऐसा किया तो एक दिन वे छू-मंतर हो जाएंगे और अगर उन्हें आपने माँ-बाप के चरण छूने की प्रेरणा दी तो वे बुढ़ापे में आपके काम आएंगे।

खास खबर

विश्व स्तनपान सप्ताह आज से 7 अगस्त तक मनाया जाएगा

राजनांदगांव। विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर जिले में 1 अगस्त से 7 अगस्त 2022 तक स्तनपान सप्ताह के रूप में मनाया जाएगा। कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग रेणु प्रकाश ने बताया कि इस दौरान प्रसूता व शिशुवती महिलाओं के बीच स्तनपान को बढ़ावा देने शिशुओं, बच्चों की बीमारी और कुपोषण से बचाने एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने का प्रयास किया जाएगा। इसके लिए स्वास्थ्य और महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संयुक्त रूप से 1 से 7 अगस्त तक जागरूकता के कई कार्यक्रम होंगे। विश्व स्तनपान सप्ताह 2022 की थीम स्टेप अप फॉर ब्रेस्टफीडिंग, एजुकेट एण्ड सपोर्ट यानी स्तनपान शिक्षा और सहायता के लिए कदम बढ़ाएं है।

मुख्यमंत्री रेशम मिशन के माध्यम से रेशम उत्पादन बढ़ाने कृत संकल्पित हैं - रेखचंद जैन

जगदलपुर। विधायक एवं संसदीय सचिव रेखचंद जैन ने रेशम विभाग द्वारा आयोजित मुख्यमंत्री रेशम मिशन के तहत आयोजित कार्यक्रम में प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल रेशम मिशन के माध्यम से रेशम उत्पादन को बढ़ावा देने एवं संग्राहकों को उचित मूल्य दिलाने के लिए कृत संकल्पित हैं, इस हेतु उन्होंने रैली कोसा को लघु वनोपज के अंतर्गत लाकर इसकी खरीदारी लघु वनोपज संघ के माध्यम से करवा रहे हैं। पूर्व में जहां संग्राहकों को पचास पैसे से एक रुपए प्रति कुकुन का मिलता था, आज उन्हें 4.20 प्रति कूकून प्राप्त हो रहा है। धागाकरण के माध्यम से प्रति किलो 4500-5000 रुपए प्राप्त हो रहा है। यदि उन्हें प्रशिक्षित कर नवीन तकनीक के वैज्ञानिक पद्धति से धागा बनाया जाता है तो इसका मूल्य और अधिक प्राप्त होगा।

विधायक देवेन्द्र की पहल पर सेक्टर-7 में बंगाली समाज को मिला डोम शेड

बैडमिंटन कोर्ट का भी लोकार्पण महिलाओं ने खेला बैडमिंटन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई नगर विधायक देवेन्द्र यादव की पहल पर सेक्टर-7 में डोम शेड व बैडमिंटन कोर्ट का निर्माण कराया गया है। रविवार को विधायक देवेन्द्र यादव ने यहां बंगाली समाज की दुर्गा पूजा के लिए बनाए गए डोम शेड का लोकार्पण किया गया। इस दौरान विधायक देवेन्द्र यादव ने बैडमिंटन कोर्ट का भी लोकार्पण किया। कार्यक्रम के दौरान वार्ड पार्षद व निगम के स्वास्थ्य प्रभारी लक्ष्मीपति राजू भी उपस्थित रहे। वहीं बंगाली समाज के लोगों ने इस डोम शेड के लिए विधायक का आभार जताया।

लोकार्पण कार्यक्रम में बोलते हुए विधायक देवेन्द्र यादव ने कहा कि आज इस बात की खुशी है कि मैं लोगों के लिए काम कर रहा हूं।

काम करने के लिए एक इच्छाशक्ति होनी चाहिए सभी काम अपने आप होते हैं। भिलाई नगर विधायक के रूप में अब तक का हमने जो भी काम किया है उससे लोगों को खुशी मिली है यही हमारे लिए सम्मान है। उन्होंने कि सेक्टर 7 में बंगाली समाज द्वारा लंबे समय से दुर्गा पूजा का आयोजन किया जा रहा है। विधायक देवेन्द्र यादव ने कहा कि जब बंगाली समाज के लोग हमारे पास पहुंचे और दुर्गा मंच की मांग की तो हमने तत्काल इसकी स्वीकृति दी। हमारा हमेशा से प्रयास रहा है कि लोगों की मंशा के अनुसार काम होना चाहिए। उन्होंने कहा एक काम पूरा होता है तो दूसरा काम शुरू हो जाता है। इसी तर्ज पर शहर का विकास कर रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे।

बैडमिंटन कोर्ट में विधायक देवेन्द्र के साथ महिलाओं ने दिखाया टैलेंट

दुर्गा मंच के पास ही विधायक देवेन्द्र यादव ने एक बैडमिंटन कोर्ट का भी लोकार्पण किया। यहां के लोगों व युवाओं की मांग पर यह बैडमिंटन कोर्ट बनाया गया है। विधाये देवेन्द्र यादव ने इस बैडमिंटन कोर्ट का लोकार्पण करते हुए रैकेट से शॉट भी जमाए। इस मौके पर यहां की महिलाओं ने भी बैडमिंटन में हाथ आजमाए। महिलाओं ने बैडमिंटन खेलते हुए कहा कहा विधायक देवेन्द्र यादव की पहल पर यहां के लोगों के लिए एक बैडमिंटन कोर्ट भी मिला है। इससे महिलाओं के साथ बच्चों को भी फिटनेस ग्रोथ करने का मौका मिलेगा। वहीं बैडमिंटन के खिलाडी यहां अपनी प्रैक्टिस भी कर सकेंगे। इस दौरान स्थानीय युवा व बच्चे बड़ी संख्या में मौजूद रहे और विधायक की इस पहल पर आभार जताया। लोगों ने कहा कि विधायक देवेन्द्र ऐसे पहले विधायक हैं जो लोगों की मांग के अनुसार काम कर रहे हैं। वहीं वार्ड क्रमांक 67 के पार्षद उमेश साहू सहित वार्डवासी उपस्थित थे।

विधायक जी ने कहा है तो काम होगा ही-लक्ष्मीपति

इस मौके पर स्थानीय पार्षद लक्ष्मीपति राजू ने कहा कि दुर्गा मंच की मांग बहुत पुरानी थी। बंगाली समाज के लोग हमारे पास आते थे और बोलते थे कि विधायक जी ने बोला था दुर्गा मंच व डोम शेड का निर्माण कराएंगे। तब हमने एक ही बात कही कि विधायक देवेन्द्र यादव ने कहा है तो जरूर होगा। विधायक देवेन्द्र से लगभग साढ़े आठ सालों से जुड़ा हूं और उनकी हर बात जानता हूं और समझता हूं। वे एक बार कोई वादा करते हैं तो उसे पूरा जरुर करते हैं।

संस्कार के खिलाड़ी ने बजाया डंका, जीता साउथ एशियन गोल्ड

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। जिले के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्था संस्कार पब्लिक स्कूल के युवा खिलाड़ी दिव्यांश देवांगन ने नेपाल में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय लाठी चैम्पियनशिप में गोल्ड मेडल जीतकर शहर का नाम रोशन कर दिया है। संस्था की प्राचार्या श्रीमती रश्मि शर्मा ने बताया कि संस्कार स्कूल के विद्यार्थियों ने शिक्षा के साथ-साथ व्यक्तित्व विकास एवं खेलकूद में भी अपनी पहचान बनाई है। पिछले दिनों राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में दिव्यांश देवांगन ने गोल्ड जीतकर अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता हेतु स्थान बनाया था। जिसमें दिव्यांश ने कई देशों के खिलाडियों को हराते हुए गोल्ड जीता। रश्मि शर्मा ने बताया कि दिव्यांश की मेहनत, राज्य लाठी संस्था की अधिकारी एवं संस्कार पब्लिक स्कूल की खेलकूद प्रशिक्षिका कांति मानिकपुरी की अथक मेहनत, मार्गदर्शक रामचन्द्र शर्मा का निर्देशन एवं स्कूल का पढ़ाई एवं खेलकूद के लिए शानदार माहौल से यह गोल्ड हासिल हुआ है। इस गोल्ड के हासिल होने से संस्था की प्राचार्या श्रीमती रश्मि शर्मा एवं समस्त शिक्षकों तथा रायगढ़ के खेल प्रेमियों ने शानदार प्रदर्शन की सराहना कर बधाईयां प्रेषित की है।

माता-पिता है शिक्षक

मार्गदर्शक रामचन्द्र शर्मा ने बताया कि दिव्यांश देवांगन संस्कार पब्लिक स्कूल के ही एक्टिंग डायरेक्टर सी.पी. देवांगन के सुपुत्र है। सी.पी. देवांगन गणित के शानदार शिक्षक है। माता श्रीमती विजय लक्ष्मी देवांगन शासकीय शिक्षिका हैं। बातचीत में सी.पी. देवांगन ने बताया कि वे संस्कार स्कूल के कृतज्ञ है। जिनके कारण उनके बच्चे दिव्यांश को इतना शानदार मौका मिला। उन्होंने स्कूल की प्राचार्या रश्मि शर्मा एवं खेल प्रशिक्षक कांति मानिकपुरी को भी धन्यवाद ज्ञापित किया है।

पांच देशों के खिलाड़ी हुए शामिल

नेपाल में उपस्थित खेलकूद प्रशिक्षिका कांति मानिकपुरी ने बताया कि इस अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में पांच देशों के खिलाड़ी शामिल हुए थे जिसमें पाकिस्तान, नेपाल, बांगलादेश, लंका सहित भारत के खिलाड़ी शामिल हुए। दिव्यांश ने लगातार तीन मैच जीतकर गोल्ड के लिए अपने दावेदारी साबित की। बहुत कर समय में तैयारी करके दिव्यांश ने शानदार प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए संस्कार पब्लिक स्कूल, अपना जिला रायगढ़, राज्य छत्तीसगढ़ और देश का नाम रोशन किया। संस्था संस्कार पब्लिक स्कूल में शिक्षा का उच्च स्तर बनाये रखते हुए विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास हेतु खेलकूद, वाद-विवाद, तात्कालिक भाषण आदि पर भी ध्यान दिया जाता है।

शिविर में शामिल होने माउंट आबू पहुँचे रायगढ़ सेवादल के सिपाही

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। कांग्रेस पार्टी लगातार अपने संगठन को विभिन्न प्रशिक्षण शिविरों और चिंतन शिविरों के माध्यम से एकजुट और मजबूत करने में लगी हुई है। जिसका नतीजा पिछले कुछ महीनों से पार्टी में दिखना भी प्रारंभ हो गया है। जिससे पार्टी में नई जान आ गई है और पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं के मन में असीमित उत्साह भर गया है। इस कड़ी को और आगे बढ़ाते हुए कांग्रेस पार्टी की अग्रिम पंक्ति की संस्था एवं काँग्रेस पार्टी की रीढ़ की हड्डी माने जाने वाले काँग्रेस सेवादल का भी राष्ट्रीय स्तर पर विशेष प्रशिक्षण शिविर का आयोजन आगामी 1 अगस्त से 3 अगस्त 2022 तक 3 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर राजस्थान के माउंट आबू में आयोजित किया गया है।

जिसमें शामिल होने के लिए देशभर के काँग्रेस सेवादल के सिपाहियों का जमावड़ा होने जा रहा है, और एक नई ऊर्जा के साथ, एक नए संगठन शक्ति के साथ शिविर से सभी लोग निकलेंगे और कांग्रेस पार्टी की मजबूती के लिए अपने-अपने प्रदेशों और शहरों में काम करेंगे, क्योंकि आगामी विभिन्न राज्यों के विधानसभा और फिर लोकसभा चुनावों में देश विरोधी ताकतों को जड़ से उखाड़ कर फेकना अति आवश्यक हो गया है, क्योंकि इन्होंने देश को आज किस स्थिति में ला दिया है। यह किसी से भी छुपा नहीं है, और इस स्थिति को अगर कोई बदल सकता है तो वह कांग्रेस के अलावा और कोई हो नहीं सकता। इसलिए कांग्रेस पार्टी अपने आप को जितनी ज्यादा हो सके संगठित, मजबूत, एकजुट, अनुशासित करने के लिए तत्पर है।

इसी कड़ी में इस राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण शिविर में शामिल होने के लिए रायगढ़ कांग्रेस सेवादल के सिपाहियों का एक जत्था मुख्य संगठक शकील अहमद (मुन्ना) जिला कांग्रेस सेवादल रायगढ़ शहर छत्तीसगढ़ के नेतृत्व में लगभग 1700 किलोमीटर की 35 घण्टों की लंबी यात्रा करके अपने आप को प्रशिक्षित करने के लिए माउंट आबू पहुंच चुके हैं।

ॐ साई राम
माँ पुस्तक भंडार

स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

CONTACT
Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

मछली पालन को कृषि का दर्जा के साथ मछुआरों की बेहतरी के लिए किए जा रहे कार्यः भूपेश बघेल

धीवर समाज के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को दिलाई गई शपथ

मुख्यमंत्री धीवर समाज के महासम्मेलन में हुए शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जब से हमारी सरकार बनी समाज के हर वर्ग के चाहे वह कृषक हो या मजदूर हो सभी वर्ग के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए कार्य किए गए है। मछुआरा वर्ग की बेहतरी के लिए अनेक कार्य किए। मछली पालन नीति बनाई। हमने मछली पालन को कृषि का दर्जा दिया है, जिससे अब मछुआरों को शून्य प्रतिशत पर ऋण की सुविधा मिल रही है। मत्स्य पालकों को अब कृषकों जैसी तमाम सुविधाएं मिलने लगी है। इससे प्रदेश के मछली पालक मछुवारें तेजी से आगे बढ़ेंगे, जीवन स्तर में भी सुधार आएगा और मत्स्य पालन के क्षेत्र में पूरे देश में आगे बढ़ेंगे। यह बात मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कृषि विश्वविद्यालय के सभागृह में आयोजित धीवर समाज के महासम्मेलन को सम्बोधित करते हुए कही। उन्होंने धीवर समाज को जमीन आबंटन की प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात समाज के लिए सर्वसुविधायुक्त भवन बनाने के लिए मदद देने की बात कही। मुख्यमंत्री ने धीवर समाज के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ भी दिलवाई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे राज्य की औसत मत्स्य उत्पादकता 4000 मेट्रिक टन प्रति हेक्टेयर हो चुकी है। प्रगतिशील मत्स्य कृषक उन्नत प्रजातियों का पालन करके प्रति हेक्टेयर 8000 से 10,000 मेट्रिक टन तक उत्पादन करने लगे हैं। छत्तीसगढ़ की प्रकृति और यहां का वातावरण मछली पालन के लिए पूरी तरह अनुकूल है। उन्होंने कहा है कि हमारे राज्य की भौगोलिक स्थिति भी ऐसी है कि यहां मत्स्य पालन व्यवसाय के लिए बहुत संभावनाएं हैं। अब प्रदेश में मछली के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध है। शासन द्वारा यह प्रयास किया जा रहा है मछली उत्पादन में वृद्धि हो। अब गांवों के साथ-साथ बड़े-बड़े बांधों को भी मछली पालन के लिए प्रयोग किया जाने लगा है। यहां तक की घर के आंगन में भी टैंक बनाकर मछली पालन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि मछली पालकों को बायो फ्लॉक तकनीकी से मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए मत्स्य कृषकों को 7.50 लाख रुपए की इकाई पर 40 प्रतिशत की अनुदान सहायता दिए जाने का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि धीवर समाज के लिए शासन ने जो योजनाएं बनाई है, उसका पॉम्पलेट बनाकर समाज के सदस्यों के घर-घर वितरित करें और सामाजिक बैठकों में इसकी जानकारी दें।

मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि राज्य में मछली पालन के लिए 30,000 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई बांधों एवं जलाशयों से नहर के माध्यम से जलापूर्ति आवश्यकता पड़ती थी, इसके लिए मछली पालक किसानों को 10 हज़ार घन फीट पानी के बदले 4 रुपए का शुल्क देना पड़ता था। लेकिन अब उन्हें एक भी पैसा देने की जरूरत नहीं रह गई है।

कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे ने कहा कि जब से हमारी सरकार बनी मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा रही है कि गांवों के मछली पालन करने वाले तालाब स्त्रोतों पर परंपरागत धीवर समाज को प्राथमिकता हो। शासन द्वारा उनके हितों की रक्षा के लिए कार्य किया जा रहा है। कृषि मंत्री ने कहा कि मत्स्य पालकों के लिए मछली पालन नीति बनाई गई है। चौबे ने कहा कि धीवर समाज द्वारा कुछ मुद्दे रखे गए हैं, उसके अनुरूप कार्य किए जाएंगे। यदि किसी गांवों में कोई तालाब निस्तारी के नाम से चिन्हित कर यदि किसी दूसरे वर्ग को आबंटित कर मत्स्य पालन के लिए दिया जाएगा, तो ऐसी स्थिति में संबंधित ग्राम पंचायत के पंच, संरपचों को चिन्हित कर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने मत्स्य नीति में मछुआरों को परिभाषा के संबंध में भ्रम को सुधारने का भी आश्वासन दिया। इस अवसर पर मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष एमआर निषाद ने भी सम्बोधन दिया। इस अवसर पर संसदीय सचिव कुंवर सिंह निषाद, विकास उपाध्याय, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल के अध्यक्ष कुलदीप जुनेजा तथा अतिथिगण उपस्थित थे।

खास खबर

छत्तीसगढ़ में फसल बीमा कराने वाले किसान घटे पर बढ़ गई आवेदनों की संख्या

रायपुर। राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में पारदर्शिता लाने के लिए फसल बीमा पोर्टल और राज्य के भुईंया पोर्टल को एक साथ जोड़ दिया है। इससे इस वर्ष खरीफ फसल की बीमा कराने वाले किसानों की संख्या तो घट गई है पर आवेदनों की संख्या बढ़ी है। केंद्र सरकार ने 31 जुलाई 2022 तक किसानों से आवेदन मंगाया था। इस स्थिति में इस वर्ष अब तक12 लाख 25 हजार 108 किसानों ने बीमा कराया है। जबकि वर्ष 2021 में 12 लाख 69 हजार 152 , वर्ष 2020 में 13 लाख 13 हजार 327 और 2019 में 13 लाख 26 हजार 347 किसानों ने बीमा कराया था। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि इस वर्ष आवेदनों की संख्या बढ़ी है।

ऋणी किसानों के आवेदनों की संख्या 56 लाख 88 हजार 432है। जबकि गैर ऋणी किसानों के आवेदनों की संख्या दो लाख 56 हजार 461 है। पिछले वर्षो में फसल बीमा और भुईंया पोर्टल एक साथ लिंक नहीं होने से रकबे की गलत जानकारी देने की शिकायतें भी आती थीं, लिहाजा राज्य सरकार ने इस पोर्टल को लिंक कर दिया था। योजना अंतर्गत किसानों को खरीफ फसलों की बीमा के लिए कुल प्रीमियम राशि का मात्र दो प्रतिशत देना होता है। खरीफ फसलों के अंतर्गत राज्य में धान सिंचित, धान असिंचित, मूंगफली, सोयाबीन, अरहर, मूंग, उड़द की फसलें अधिसूचित की गई हैं, जिनका बीमा कराया जाता है। इसी के आधार किसान अपनी निर्धारित जमीन पर क्लेम कर पाते हैं। खरीफ वर्ष 2022 के तहत फसल पर प्रतिकूल मौसम जैसे सूखा, बाढ़, कीट व्याधि, ओलावृष्टि आदि प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान में किसानों को वित्तीय सहायता मिलती है।

छत्तीसगढ़ में अब तक 559.0 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

रायपुर। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2022 से अब तक राज्य में 559.0 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून से 31 जुलाई तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 1427.7 मिमी और बलरामपुर जिले में सबसे कम 209.1 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है।

राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सरगुजा में 224.0 मिमी, सूरजपुर में 294.1 मिमी, जशपुर में 281.8 मिमी, कोरिया में 325.8 मिमी, रायपुर में 370.5 मिमी, बलौदाबाजार में 542.9 मिमी, गरियाबंद में 640.4 मिमी, महासमुंद में 564.5 मिमी, धमतरी में 667.2 मिमी, बिलासपुर में 605.0 मिमी, मुंगेली में 619.1 मिमी, रायगढ़ में 524.5 मिमी, जांजगीर-चांपा में 664.4 मिमी, कोरबा में 434.0 मिमी, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 536.1 मिमी, दुर्ग में 508.8 मिमी, कबीरधाम में 547.5 मिमी, राजनांदगांव में 596.1 मिमी, बालोद में 683.7 मिमी, बेमेतरा में 385.5 मिमी, बस्तर में 707.8 मिमी, कोण्डागांव में 642.0 मिमी, कांकेर में 770.6 मिमी, नारायणपुर में 590.1 मिमी, दंतेवाड़ा में 744.0 मिमी और सुकमा में 544.8 मिमी औसत वर्षा रिकार्ड की गई।

दृढ़ इच्छाशक्ति के दम पर दृष्टिहीन छात्रा बनी हिदायतुल्ला नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी की टॉपर

बेटी की पढ़ाई के लिए मां ने छोड़ दी थी अपनी नौकरी

चीफजस्टिस आफइंडिया और मुख्यमंत्री की मौजूदगी गोल्ड मेडल से किया गया सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मंजिल उन्हीं को मिलती है जिनके सपनों में जान होती है, पंख से कुछ नहीं होता , हौंसलों से उड़ान होती है। ये कविता हम हमेशा ही सुनते आए हैं, लेकिन इसे चरितार्थ करके दिखाया है दिल्ली की रहने वाली एक दृष्टिहीन छात्रा यवनिका ने। यवनिका रायपुर के हिदायतुल्ला नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी से बीएएलएलबी (आनर्स) 2021 बैच की टापर हैं और इन्होंने प्रोफेशनल एथिक्स में गोल्ड मेडल हासिल किया है। यवनिका को ये गोल्ड मेडल यूनिवर्सिटी के पांचवें दीक्षांत समारोह में चीफ जस्टिस आफ इंडिया की मौजूदगी में प्रदान किया गया।

यवनिका दृष्टिहीन छात्रा हैं, लेकिन उन्होंने इसे कभी भी अपनी कमजोरी नहीं समझा, बल्कि उनके हौंसले उन्हें उड़ान भरने के लिए लगातार प्रेरित करते रहे। दिल्ली की रहने वाली यवनिका के पिता भारतीय रेल सेवा में अधिकारी हैं तथा मां स्पेशल एजुकेटर के तौर पर काम कर रही थीं। यवनिका ने फैसला लिया कि वो लॉ की पढ़ाई करेंगी। यवनिका ने रायपुर के हिदायतुल्ला नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी में एडमिशन लिया। यवनिका को कोई परेशानी ना हो इसके लिए उनकी मां ने अपनी नौकरी छोड़ दी और यवनिका के साथ ही रायपुर में पांच वर्ष तक रहीं।

अपने मंजिल को पाने मे यवनिका ने अपनी पूरी जान लगा दी और आखिरकार वो इसमें कामयाब भी हुईं। इतना ही नहीं यवनिका ने खुद के लिए नई मंजिल तय की है और इसे पाने के लिए वो नेशनल ला कालेज बंगलौर में एलएलएम कोर्स में एडमिशन लेकर पढ़ाई भी कर रही हैं। यवनिका का कहना है कि रायपुर की पांच साल की जर्नी में कालेज, फैकल्टी और साथी स्टूडेंट्स ने उसका बहुत सपोर्ट किया जिसके लिए वो हमेशा उनका आभारी रहेगी।

यवनिका का कहना है कि माता पिता धरती पर भगवान का रूप हैं और उनका आशीर्वाद है तो जीवन में किसी भी लक्ष्य को पाना नामुमकिन नहीं है। यवनिका ने हमेशा ही अपनी मेहनत और काबीलियत पर भरोसा रखा और अपने लक्ष्य को हासिल किया। यवनिका के जुझारू पन के सम्मान में उसे गोल्ड मेडल देते वक्त जीफ जस्टिस एन वी रमणा तथा मुख्यमंत्री भूपेश बघेल समेत सभी अतिथि अपनी जगह पर खड़े होकर उनका उत्साह बढ़ाया।

छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल का बड़ा फैसला, वर्ष में दो बार लेंगे परीक्षा

रायपुर (ए)। अब छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल वर्षभर में दो बार मुख्य परीक्षा आयोजित करेगा। इससे नियमित पढ़ाई से वंचित विद्यार्थियों के लिए पढ़ाई करना आसान होगा। इसके लिए ओपन स्कूल ने परीक्षाओं की तिथियों को भी आने वाले वर्षों के लिए निर्धारित कर दिया है।

पहली परीक्षा अप्रैल में होगी और दूसरी परीक्षा सितंबर में आयोजित की जाएगी। ओपन स्कूल के सचिव प्रोफेसर वीके गोयल के मुताबिक दो बार परीक्षा होने से यदि कोई विद्यार्थी परीक्षा के लिए आवेदन नहीं कर पाता है तो उसे अगले छह महीने के भीतर ही फिर मौका मिल जाएगा।

अप्रैल की परीक्षा के लिए यह है शेड्यूल

सामान्य परीक्षार्थियों के लिए सामान्य शुल्क के साथ 16 जुलाई से 31 दिसंबर तक आवेदन, विलंब शुल्क के साथ एक से 15 जनवरी तक लेंगे आवेदन और अप्रैल में एक से 15 अप्रैल के बीच परीक्षाएं होगी। वहीं अवसर परीक्षार्थियों के लिए परीक्षा परिणाम जारी होने के अगले दिवस से 31 दिसंबर तक सामान्य शुल्क के साथ एक से 15 जनवरी तक विलंब शुल्क के साथ आवेदन लिए जाएंगे। ये तिथियां हर वर्ष के लिए होगी।

सितंबर की परीक्षा के लिए यह है शेड्यूल

सामान्य परीक्षार्थियों के लिए समान्य शुल्क के साथ 16 जनवरी से 30 जून तक आवेदन, विलंब शुल्क के साथ एक से 15 जुलाई तक आवेदन करेंगे। अवसर के परीक्षार्थियों के लिए अप्रैल में परीक्षा परिणाम जारी होने के बाद अगले दिवस से 30 दिन के भीतर तक सामान्य शुल्क के साथ आवेदन, एक से 15 जुलाई तक विलंब शुल्क के साथ परीक्षा आवेदन फार्म जमा कर सकेंगे। गौरतलब है कि प्रदेश में वैकल्पिक शिक्षा व्यवस्था की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने वर्ष 2008 में छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल की स्थापना की थी।

नियमित पढ़ाई नहीं कर पाने वाले विद्यार्थियों के हित को देखते हुए वर्ष में दो बार मुख्य परीक्षा कराने का निर्णय लिया गया है।

-प्रो. वीके गोयल, सचिव, राज्य ओपन स्कूल, छत्तीसगढ़

पूर्व आरबीआई गवर्नर रघुराम राजन ने छत्तीसगढ़ सरकार की गौठान और गोधन न्याय योजना को सराहा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने छत्तीसगढ़ सरकार की गौठान और गोधन न्याय योजना की सराहना की है। उन्होंने कहा है कि गौठान और गोधन न्याय योजना के माध्यम से ग्रामीणों की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए पशुधन, खेती-किसानी और आजीविका को बेहतर बनाने का काम किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार की यह पहल देश में सबसे अच्छा बॉटम-अप एप्रोच है। श्री राजन ने कहा कि इसके माध्यम से हम न सिर्फ खेती-किसानी और आजीविका का बेहतर समाधान प्राप्त कर सकते है, बल्कि इसके जरिए रासायनिक खाद और कीटनाशक का खेती में अंधाधुंध तरीके से हो रहे उपयोग से भूमि की घटती उर्वरा शक्ति, खाद्यान्न पदार्थों की विषाक्तता, पर्यावरण को हो रहे नुकसान और ग्लोबल वार्मिंग जैसी कई समस्याओं को काफी हद तक कम कर सकते हैं। श्री राजन ने यह बाते रायपुर जिले के अभनपुर विकासखंड के ग्राम नवागांव (ल) में आदर्श गौठान और वहां महिला समूहों द्वारा संचालित आयमूलक गतिविधियों के मुआयना के दौरान कही। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सलाहकार प्रदीप शर्मा, प्रोफेसर राजीव गौड़ा एवं सुश्री यामिनी अय्यर, जिला पंचायत रायपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी रवि मित्तल सहित अन्य अधिकारी उनके साथ थे।

पूर्व आरबीआई गर्वनर राजन नवागांव (ल) गौठान में पशुधन की देखभाल, चारे-पानी के नि:शुल्क प्रबंध की व्यवस्था, पशुओं के स्वास्थ्य परीक्षण, उपचार एवं टीकाकरण के प्रबंध की भी सराहना की। श्री राजन ने गौठान में महिला समूहों द्वारा संचालित आयमूलक गतिविधियों जैसे जैविक खाद उत्पादन, मशरूम उत्पादन, सामूहिक सब्जी उत्पादन, तेल आसवन, मत्स्य पालन, मुर्गीपालन, बकरीपालन इत्यादि गतिविधियों का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि गौठानों में संचालित आजीविका मूलक गतिविधियां कोविड-19 के दौरान ग्रामीणों को आर्थिक संबल प्रदान करने में मददगार साबित हुई है। गोधन न्याय योजना के तहत गौठानों में दो रूपए किलो में गोबर की खरीदी और इससे वर्मी कम्पोस्ट, सुपर कम्पोस्ट का निर्माण तथा खेती में इनका उपयोग एक सराहनीय पहल है। इससे भूमि की उर्वरा शक्ति को बेहतर बनाने के साथ-साथ कृषि की लागत और खाद्यान्न की विषाक्तता को कम किया जा सकेगा।

प्रोफेसर राजीव गौड़ा ने भी छत्तीसगढ़ सरकार की गौठान और गोधन न्याय योजना की सराहना की और कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार की यह पहल देश के अन्य राज्यों के लिए अनुकरणीय है। सुश्री यामिनी अय्यर ने गौठान और गोधन न्याय योजना के समन्वय से ग्रामीण महिलाओं को गांव में ही आजीविका एवं रोजगार का बेहतर अवसर प्रदान करने की सराहना की।

पूर्व आरबीआई गवर्नर राजन, प्रोफेसर राजीव गौड़ा, सुश्री यामिनी अय्यर ने रायपुर के सेरीखेड़ी स्थित मल्टी एक्टीविटी सेन्टर का भी मुआयना किया। इसका संचालन उजाला ग्राम संगठन सेरीखेड़ी द्वारा किया जा रहा है। इस सेन्टर में ग्रामीण महिलाओं द्वारा 28 प्रकार की गुणवत्तायुक्त पर्यावरणीय मैत्री वाले हर्बल उत्पादों का निर्माण किया जा रहा है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

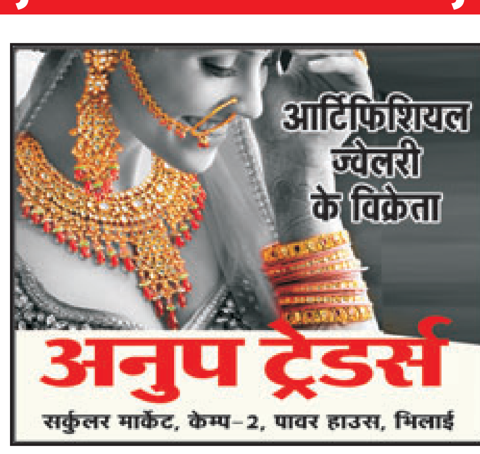

आर माधवन ने रजनीकांत के पैर छूकर लिया आशीर्वाद, पोस्ट शेयर कर लिखा स्पेशल नोट

बॉलीवुड एक्टर आर माधवन और पूर्व साइंटिस्ट नांबी नारायणन ने हाल ही में साउथ के सुपरस्टार रजनीकांत से मुलाकात की। माधवन ने सोशल मीडिया पर इस मुलाकात की वीडियो और फोटोज भी शेयर की हैं। पहले वीडियो में रजनीकांत, आर माधवन का सम्मान करते हुए नजर आ रहे हैं। वहीं माधवन भी रजनीकांत का पैर छू कर आशीर्वाद लेते हुए नजर आ रहे हैं। दूसरे वीडियो में रजनीकांत नंबी नारायण को शॉल ओढ़ाते दिख रहे हैं। इसके बाद, इस मौके की दो खूबसूरत तस्वीरें भी दिखाई गई हैं, जो सोशल मीडिया पर अब वायरल हो रही हैं।

माधवन के पोस्ट को फैंस खूब पसंद कर रहे हैं

माधवन ने अपने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, 'जब आपको वन मैन इंडस्ट्री और खुद लीजेंड के सामने दूसरे लीजेंड से आशीर्वाद मिलता है। यह अनंत काल के लिए न मिटने वाला पल है। आपके दयालु शब्द और प्यार के लिए धन्यवाद रजनीकांत सर। इस मोटिवेशन ने हमें पूरी तरह से तरोताजा कर दिया है। हम आपको पूरी दुनिया की तरह प्यार करते हैं।' माधवन के इस पोस्ट को फैंस खूब पसंद कर रहे हैं।

रजनीकांत ने माधवन को कहा बेस्ट डायरेक्टर

रजनीकांत ने कुछ दिन पहले सोशल मीडिया के जरिए माधवन की फिल्म की तारीफ की थी। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा था, 'रॉकेट्री हर व्यक्ति खासतौर पर युवाओं के लिए जरूर देखने वाली फिल्म है। यह फिल्म मिस्टर पद्म भूषण, जिन्होंने हमारे देश के स्पेस रिसर्च के विकास के लिए काफी कठिनाइयों का सामना किया और बलिदान दिया उन पर है।

नांबी नारायणन की कहानी को वास्तविक तौर पर पेश करके माधवन डायरेक्टर के तौर पर अपनी पहली ही फिल्म से बेस्ट डायरेक्टर्स में शामिल हो चुके हैं। ऐसी बेहतरीन फिल्म देने के लिए मैं उनकी सराहना करता हूं और उन्हें धन्यवाद देता हूं।

फिल्म 1 जुलाई को रिलीज हुई है

रॉकेट्रीः द नांबी इफेक्ट इसरो के पूर्व रॉकेट साइंटिस्ट नांबी नारायणन की लाइफ पर बेस्ड है। इन्हें जासूसी के झूठे आरोप में साल 1994 में गिरफ्तार किया गया था। फिल्म में आर माधवन इन्हीं का किरदार निभा रहे हैं। यह फिल्म 1 जुलाई को रिलीज हुई है। इसकी शूटिंग भारत समेत फ्रांस, कनाडा, जॉर्जिया और सर्बिया में हुई है। यह पैन इंडिया फिल्म 6 भाषा हिंदी, तमिल, तेलुगु, अंग्रेजी, मलयालम और कन्नड़ में रिलीज हुई है।

हिंदी फिल्मों में देरी से काम करने पर नागा चैतन्यःबोले-

मेरी हिंदी अच्छी नहीं थी, मैं इनसिक्योर महसूस कर रहा था

साउथ सुपरस्टार नागा चैतन्य आमिर खान स्टारर लाल सिंह चड्ढा से अपना बॉलीवुड डेब्यू कर रहे हैं। इसमें वह बालाराजू बाबू के कैरेक्टर में एक कैमियो रोल में नजर आएंगे। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में नागा ने हिंदी फिल्मों में काम न करने की वजह बताई है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें लाल सिंह चड्ढा में रोल कैसे मिला।

ऑफर मिल रहे थे, मैंने दूरी बनाई थी

नागा से पूछा गया कि बॉलीवुड डेब्यू करने में इतना लंबा वक्त क्यों लगा? इस पर जवाब देते हुए नागा ने कहा- मैं चेन्नई में पैदा हुआ और फिर हैदराबाद शिफ्ट हो गया। इसी कारण मेरी हिंदी बहुत अच्छी नहीं हैं। मैं इस चीज को लेकर काफी समय से इनसिक्योर भी था। इसी कारण मैं हिंदी फिल्मों से दूर रहा। हालांकि ऐसा नही है कि मुझे ऑफर नहीं मिल रहे थे। बस यूं समझ लीजिए मैंने हिंदी फिल्मों से दूरी बना रखी थी।

फिल्म में तेलुगु फ्लेवर भी मिलेगा

फिल्म लाल सिंह चड्ढा कैसे मिली? इसके जवाब में नागा बोले- जब मुझे इस फिल्म का ऑफर आया तो मैंने मेकर्स से यही बात बोली कि मेरी हिंदी अच्छी नहीं है। इस बात से आमिर सर को कोई दिक्कत नहीं थी। वह इसलिए क्योंकि मुझे ऐसे साउथ इंडियन कैरेक्टर के लिए कास्ट किया था जो फिल्म साउथ से निकलकर नॉर्थ में काम करता है। हमारी जर्नी की शुरुआत यहीं से होती है। मैं साउथ इंडियन हूं और हिंदी बोलता हूं, उन्हें वैसा ही लड़का चाहिए था। फिल्म में तेलुगु फ्लेवर के लिए कुछ शब्द भी जोड़े गए हैं।

आमिर खान की लाल सिंह चड्ढा 1994 में आई ऑस्कर विनिंग हॉलीवुड फिल्म फॉरेस्ट गंप का ऑफिशियल हिंदी रिमेक है। इसमें आमिर के अलावा करीना कपूर, मानव विज, नागा चैतन्य और मोना सिंह नजर आएंगी। फिल्म 11 अगस्त को रिलीज होगी।

कॉमेडी शो 'केस तो बनता है

हमेशा से रितेश भाई के साथ काम करना चाहता थाः वरुण शर्मा

एक्टर वरुण शर्मा जल्द ही कॉमेडी शो 'केस तो बनता है' में नजर आएंगे। ये शो 29 जुलाई से अमेजन टीवी पर स्ट्रीम हो रहा है। अब वरुण शर्मा ने इस शो से जुड़ी कई बातें शेयर की हैं।

आप इस शो तक पहुंचे या यह शो आप तक पहुंचा, शुरुआत कैसे हुई?

बनिजय एशिया और अमेजन मिनी टीवी ने कोलैबोरेट करके ये शो बनाया है। तो उन्होंने मुझे अप्रोच किया था और मुझे बहुत अच्छा लगा क्योंकि नॉन फिक्शन शो है। इस नॉन फिक्शन शो का फॉर्मेट बहुत अच्छा है। अलग-अलग सेलिब्रिटी आ रहे हैं, उन पर इल्जाम लगाए जाते हैं और मजेदार तरीके से कार्रवाई होती है। रितेश देशमुख सर जो है वह प्रॉसिक्यूटिंग लॉयर हैं और मैं डिफेंडिंग लॉयर हूं। कुशा कपिला जज बनी हुई हैं। गेस्ट आते हैं, अतरंगी इल्जाम होते हैं, कई नए किस्से सुनने को मिलते हैं, बातें होती हैं और फिर बड़ा ही फनी तरीके से एक वर्डिक्ट सुनाया जाता है। तो यह एक लाइट हार्टेड कॉमेडी शो है, जिसमें कुछ भी हो रहा है और बहुत ही टैलेंटेड लोग अलग-अलग किरदार बनकर आते हैं जिनके द्वारा इल्जाम लगाया जाता है।

कई स्टार और एक्टर्स इस शो में नजर आ रहे हैं, कुछ पर आरोप लगे हैं तो कुछ गवाह हैं, कैसा एक्सपीरियंस था?

इसमें अतरंगी सी चीजें हैं। बहुत मजेदार एक्सपीरियंस भी है जैसे अनिल कपूर सर जब आए तो उन पर आईने ने इल्जाम लगाया। करीना कपूर जब आती है तो उन पर उनका वार्डरोब इल्जाम लगाता है कि वह खुद तो साइज जीरो हो रही हैं पर वार्डरोब का साइज बढ़ा रखा है। तो इस तरह के बड़े मजाक वाले इल्जाम हम उन पर लगाते हैं। यूं तो मैंने काफी लोगों के साथ काम किया हुआ है तो एक इक्वेशन बनी हुई है। इस इक्वेशन में तब मजा आता है जब आप कोई सवाल पूछते हैं तो उसमें मजेदार चीजें पूछ सकते हैं, उसमें नई चीजें डाल सकते हैं।

शूटिंग में कितना क्या टाइम लगता है?

हमारा पूरा ही दिन चला जाता था। सुबह सब लोग आते थे तो रीडिंग होती थी फिर डायरेक्टर सबके इनपुट लेता है और अकॉर्डिंग्ली उन्हें यूज करता है। यह सारी चीज राइटर से शेयर होती है। इस पूरी तरह से उसके बाद शो का शूट स्टार्ट होता है। यह एक रेगुलर शूट शो था तो हम रोज एक एपिसोड करते थे।

क्या तैयारी रहती थी शो के लिए?

कोई प्रिपरेशन तो नहीं पर सारी चीजें लाइव रहती थीं। तो यह आपको ध्यान रखना होता था। आपकी इंप्रोवाइजेशन, स्पॉनटेनिटी और प्रेजेंस ऑफ माइंड का ध्यान रखना होता है। लेकिन कोई तैयारी इसलिए नहीं रहती क्योंकि शो का फॉर्मेट ही काफी फन रहता है और मैं किसी कैरेक्टर के तौर पर नहीं बल्कि वरुण शर्मा के तौर पर ही वहां जाता हूं।

रितेश देशमुख और कुशा कपिला के साथ काम करने का एक्सपीरियंस कैसा रहा?

रितेश भाई का मैं हमेशा से बहुत बड़ा फैन रहा हूं। उनकी कॉमिक टाइमिंग फिनॉमिनल है। इतने सालों से हो इतनी बड़ी बड़ी फिल्में कर रहे हैं और कई फिल्म फ्रेंचाइजी का हिस्सा हैं। मुझे पहली बार उनके साथ काम करने का मौका मिला और मैं यह हमेशा चाहता था जी मैं और रितेश भाई किसी प्रोजेक्ट में कोलैबोरेट करें। केस तो बनता है वह पहला प्रोजेक्ट है और मुझे उम्मीद है आगे मैं उनके साथ और काम करूंगा। कोशिश है कि रितेश भाई और मैं कोई स्क्रिप्ट ढूंढ सकें और साथ में एक फिल्म करें।

आपके फैंस फुकरे थ्री का वेट कर रहे हैं, कोई खबर?

फिल्म अभी पोस्ट प्रोडक्शन में है। रिलीज के बारे में तो बहुत कुछ नहीं बता सकता। शूट पूरा हो चुका है बस थोड़ा टाइम और लगेगा। मुझे खुद इसका इंतजार है कि ऑडियंस तक यह फिल्म जल्द से जल्द पहुंचे। लोगों की तरह हमें भी उसको थिएटर में देखने का इंतजार है।

बायोपिक का ट्रेंड चल रहा है तो क्या आप कोई बायोपिक करना चाहेंगे?

मुझे अगर मौका मिलता है तो मैं युवराज सिंह की बायोपिक करना चाहूंगा।

आने वाले टाइम में क्या प्रोजेक्ट आपके पास हैं?

केस तो बनता है अभी लॉन्च हुआ है। दिसंबर में क्रिसमस पर रोहित शेट्टी सर की फिल्म सर्कस आ रही है। उसके अलावा फुकरे 3 का इंतजार है।

लोकगायिका सपना अवस्थी की बेटी ने धरा डिजिटल अवतार, मां के साथ म्यूजिक वीडियो लाने की तैयारी

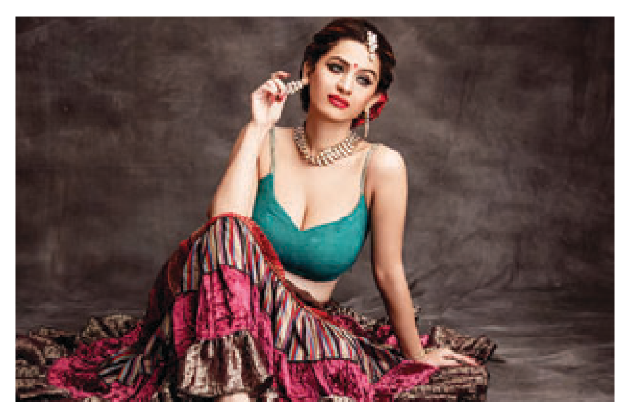

अगर आपको आमिर खान और करिश्मा कपूर की फिल्म 'राजा हिंदुस्तानी' याद है तो इस फिल्म का एक गाना 'परदेसी परदेसी जाना नहीं...' भी जरूर याद होगा। इस गाने की शुरुआत होती है लोकगायिका सपना अवस्थी के गाए चौबोले से। हिंदी फिल्मों के गीतों में असल गीत शुरू होने से पहले चौबोला गाने की परंपरा बहुत पुरानी है और इसकी उत्पत्ति उत्तर भारत की लोक कला नौटंकी से मानी जाती है। सपना अवस्थी की बेटी केनिशा भी गायन में अपना सफर शुरू कर रही हैं और जल्द ही अपनी मां के साथ एक म्यूजिक अलबम लाने की तैयारी में हैं।

केनिशा अवस्थी गायन को लेकर भी गंभीर हैं, ये बात पहले पहल उन्हें देखकर महसूस नहीं होती क्योंकि वह गायिका से ज्यादा किसी फिल्म की हीरोइन नजर आती हैं। डिजिटल दुनिया में उनके फैंस भी उनकी अदाओं के दीवाने नजर आते हैं और उनकी लोकप्रियता का आलम ये है कि केनिशा ने अपने फैंस से व्यक्तिगत मुलाकातों और बातों के लिए अपना खुद का अलग ऐप भी लॉन्च कर दिया है।

इस बारे में चर्चा करने पर केनिशा बताती हैं, 'मशहूर कलाकारों को उनके प्रशंसकों से सीधे जोड़ने के लिए ये ऐप बहुत कारगर साबित होते हैं। जैसे मैं अपने ऐप पर न सिर्फ अपने प्रशंसकों से सीधे बात कर सकती हूं बल्कि अगर कोई प्रशंसक मुझसे मिलना चाहे या मुझसे गायकी के गुर सीखना चाहे तो उसके लिए भी संपर्क कर सकता है। चूंकि इस तरह के ऐप पर बातें शुरू करने से पहले ही एक तयशुदा फीस चुकानी होती है, इसके चलते फालतू के लोगों के चक्कर में समय भी नहीं खराब होता है।

केनिशा का इरादा आगे चलकर अपने गानों की एनएफटी बनाने का भी है और इसके जरिये नए और उभरते गायकों को मौका देने का भी है। वह कहती हैं, 'सोशल मीडिया पर साझेदारी के जरिये ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचने में अब बड़े बड़े फिल्म सितारे इन्फ्लुएंसर्स की मदद ले रहे हैं। इसकी वजह है कि सोशल मीडिया पर हर प्रशंसक अपनी पसंद के सितारे के साथ सीधे संपर्क में है। किसी उत्पाद या किसी फिल्म या किसी संगीत को लोकप्रिय बनाने का ये सबसे सही माध्यम भी है।'

पर्सनल ऐप का चलन मुंबई फिल्म नगरी में इन दिनों तेजी से फैल रहा है। गहना वशिष्ठ जैसी मॉडल अब भी अपने पर्सनल ऐप से वीडियो चैट करके लाखों रुपये कमा रही हैं। लेकिन, अब इन पर्सनल ऐप की तकनीक का इस्तेमाल दूसरे सितारे अपने प्रशंसकों से सीधे जुड़ने के लिए भी कर रहे हैं। केनिशा के मुताबिक उनका पर्सनल ऐप उनके प्रशंसकों को उनके साथ कॉफी पीने का मौका भी दिला सकता है।

'भूल भुलैया-2' की सक्सेस के बाद कार्तिक ने बढ़ाई फीस? एक्टर बोले- हर इंसान आगे बढ़ना चाहता है

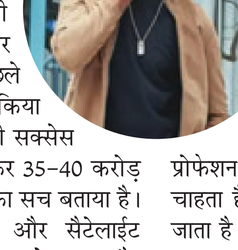

बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अपनी फीस बढ़ाने को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि फिल्म की सक्सेस के बाद फीस बढ़ाना नॉर्मल है मगर इतनी नहीं बढ़ानी चाहिए कि उस पर विश्वास ही न हो। दरअसल पिछले महीने में आई एक रिपोर्ट में दावा किया जा रहा था कि 'भूल भुलैया 2' की सक्सेस के बाद उन्होंने अपनी फीस बढ़ा कर 35-40 करोड़ रुपए कर दी है। अब एक्टर ने इसका सच बताया है।

कार्तिक ने कहा, 'डिजिटल और सैटेलाइट राइट्स एक एक्टर के नाम, डायरेक्टर-प्रोड्यूसर और इनकी पूरी टीम के नाम पर फिल्म बिकती है। अगर वो कीमत ज्यादा मिल रही है उस समय, तो उतना प्राइस बढ़ना सबका नॉर्मल है। जब आप उस फिल्म को बना रहे हो, तो उस फिल्म पर प्रेशर नहीं आना चाहिए। अगर ऐसा नहीं हो रहा है, तो उसको उतना ही कम रखो। मैं इस बात में यकीन करता हूं।

कार्तिक ने आगे कहा, 'हर किसी की कामयाबी का एक ग्राफ होता है। ये सिर्फ एक्टिंग के प्रोफेशन में ही नहीं, बल्कि हर प्रोफेशन की सच्चाई है। हर प्रोफेशन में हर आदमी आगे और ज्यादा आगे बढ़ना चाहता है, ऐसा ही होता है न लेकिन गलत तब हो जाता है जब फिल्म पर दबाव आता है।

जब नंबर नहीं मिलते हैं और आप तब भी फीस बढ़ाते हो, तो यहीं आप गलत हो जाते हैं। मुझे लगता है आपको इसमें एक बैलेंस बनना चाहिए। इतना भी हाइक ना हो जाए की अनरियल लगे।

मुंबई पुलिस ने सलमान खान को दिया आर्म्स लाइसेंस

मिली थी 'मूसेवाला जैसा हाल' करने की धमकी

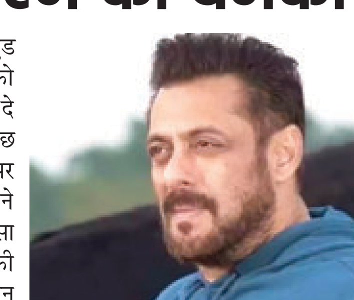

मुंबई पुलिस ने बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान को हथियार रखने का लाइसेंस दे दिया है। बता दें कि कुछ समय पहले कथित तौर पर लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने अभिनेता को 'मूसेवाला जैसा हाल' करने देने की धमकी दी थी। जिसके बाद सलमान खान ने 22 जुलाई को मुंबई पुलिस आयुक्त विवेक फनसालकर से मुलाकात कर आत्मसुरक्षा का हवाला देते हुए हथियार रखने का लाइसेंस मांगा था। इतना ही नहीं अभिनेता ने अपनी सुरक्षा व्यवस्था में कई तरह के परिवर्तन भी किए हैं।

धमकी के बाद सलमान खान ने उठाए ये कदम

रिपोर्ट्स के मुताबिक, सलमान खान ने अपनी सुरक्षा बढ़ाते हुए अपनी कार को अपग्रेड किया है। वह अब लैंड क्रूजर से ट्रेवल करेंगे, जो बुलेटप्रूफहै। खबरों के अनुसार एक्टर ने अपनी कार में आरमर के साथ-साथ बुलेट प्रूफ ग्लास लगवाए हैं। बता दें कि यह लैंड क्रूजर का नया वर्जन नहीं है, बल्कि अभिनेता ने अपनी पुरानी कार को ही नए फीचर्स के साथ अपग्रेड किया है। सलमान खान अब सफेद रंग की बुलेटप्रूफ लैंड क्रूजर में ट्रेवल करेंगे और उनके साथ सशस्त्र सुरक्षा गार्डों का दस्ता भी रहेगा। आपको बता दें कि पहले सलमान खान लैंड रोवर से सफर करते थे।

किसने दी थी धमकी?

गौरतलब है कि सलमान खान और उनके पिता सलीम खान को 5 जून को धमकी भरा लेटर मिला था। धमकी भरा लेटर बांद्रा के बैंडस्टैंड प्रोमेनाड में सलीम खान के गार्ड को मिल था। यहां पर सलीम खान मॉर्निंग वॉक करने के बाद बैठते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सलमान खान और सलीम खान को जो धमकी भरा लेटर मिला था, उसमें लिखा था कि उनका सिद्धू मूसेवाला जैसा हाल कर दिया जाएगा। गौरतलब है कि सलमान खान को धमकी भरी चिट्ठी मिलने के कुछ ही दिन पहले पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या कर दी गई थी।

कई साल से साजिश रच रहा बिश्नोई

बता दें कि लॉरेंस बिश्नोई सलमान खान की हत्या करके 1998 के काले हिरण के शिकार का बदला लेना चाहता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक पुलिस रिमांड में खुद बिश्नोई ने यह खुलासा किया कि उसने वर्ष 2018 में सलमान खान की हत्या के लिए पूरी तैयारी कर ली थी। इसके लिए उसने खास राइफल भी खरीदी थी, जिसके लिए 4 लाख रुपये का पेमेंट किया था।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-

9303289950, 9827806026, 8962815243

खास खबर

कलेक्टर ने वजन त्यौहार पर सभी अभिभावकों से आंगनबाड़ी केन्द्र में अपने बच्चों का वजन कराने की अपील की

राजनांदगांव। कलेक्टर डोमन सिंह के मार्गदर्शन में कुपोषण के प्रति समुदाय को जागरूक लाने के लिए 1 अगस्त से 13 अगस्त तक वजन त्यौहार का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर श्री सिंह ने वजन त्यौहार पर सभी अभिभावकों से आंगनबाड़ी केन्द्र में अपने बच्चों का वजन कराने की अपील की है। उन्होंने कहा कि बच्चों के सुपोषण के लिए उनके वजन की जानकारी होना जरूरी है। बच्चों को पौष्टिक आहार देते हुए उनके विकास की मॉनिटरिंग करना है। सामुदायिक सहभागिता से सुपोषण के प्रति जागरूकता लाने की आवश्यकता है। कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास रेणु प्रकाश ने बताया कि वजन त्यौहार में प्रत्येक परिवार को उनके बच्चों की सही पोषण स्थिति से अवगत कराते हुए प्रत्येक गांव में कम वजन वाले बच्चों को चिन्हित कर कुपोषण की सही स्थिति का पता लगाया जाएगा। कुपोषण की सही स्थिति को जानकर प्रत्येक बच्चे की जानकारी सॉफ्टवेयर में दर्ज कर राज्य में कुपोषित बच्चों की स्थिति का डाटाबेस तैयार किया जाएगा। राज्य के प्रत्येक केन्द्र, ग्राम पंचायत, विकासखंड में कुपोषण की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करते हुए कुपोषण कम करने की कार्ययोजना तैयार किया जाएगा। क्षेत्र विशेष, वर्ग विशेष में कुपोषण की पहचान करना जिससे यह भी स्पष्ट हो सके कि किन स्थानों पर और किन कारणों से कुपोषण अधिक है ताकि उनके लिए विशिष्ट कार्ययोजना बनाई जा सके।

जलजनति बीमारी डेंगू के 46 मरीज मिले

जगदलपुर। जिले जलजनति बीमारी डेंगू के सबसे अधिक मरीज शहर के निगम क्षेत्र में मिल रहे हैं। शनिवार को 123 लोगों की जांच में 46 डेंगू पॉजिटीव मिले हैं। सरकारी अस्पतालों के साथ ही निजी अस्पतालों में डेंगू के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. टीकाम ने बताया कि जिले में 100 से अधिक डेंगू के एक्टिव मामले हैं, जिसमे शहरी क्षेत्र के अधिक हैं। स्वास्थ्य अमले की टीम शहरी क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई का अभाव दिखा। उन्होने बताया कि नगर के सभी मोहल्ले और वार्ड से डेंगू को पूरी तरह खत्म करने के लिए दवाई का छिड़काव किया जा रहा है। सर्वे टीम घर-घर जाकर सर्वे कर रही है।

हंगामे पर वेंकैया नायडू की नाराजगी, कहा-काम में बाधा संसदीय लोकतंत्र का विनाश

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली(पीआईबी)। मानसूत्र सत्र के पहले सप्ताह के मुकाबले दूसरे सप्ताह में कामकाज 26.90 प्रतिशत से गिरकर 16.49 प्रतिशत पर पहुंच गया। राज्यसभा में विभिन्न मुद्दों पर हंगामे के कारण कार्यवाही बार-बार बाधित हुई है। हंगामे के कारण 23 सदस्यों को निलंबित भी किया जा चुका है। राज्यसभा के सभापति एम. वेंकैया नायडू हंगामे और व्यवधान पर यह कहते हुए अपनी नाखुशी जता चुके हैं कि कि व्यवधान संसदीय लोकतंत्र का विनाश है।

कामकाज में 21.58 फीसदी की गिरावट

अधिकारियों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक पहले दो सप्ताह के दौरान राज्यसभा के कामकाज में 21.58 प्रतिशत की गिरावट आई है। राज्यसभा सचिवालय ने बताया कि अब तक हुई 10 बैठकों में राज्यसभा में 11 घंटे और आठ मिनट काम हुआ, जबकि 51 घंटे और 35 मिनट का कामकाज निर्धारित था। इसका मतलब है कि 40 घंटे और 45 मिनट हंगामा और व्यवधान में बर्बाद हो गए। अभी तक इस सत्र में एक भी विधेयक पारित नहीं कराया जा सका है। सामूहिक संहार के आयुध और उनकी परिदान प्रणाली (विधि विरुद्ध क्रियाकलाप का प्रतिषेध) संशोधन विधेयक पर चर्चा पूरी होना बाकी है।

छह दिन नहीं हो पाया प्रश्नकाल

इस सत्र के पहले दो सप्ताहों में अभी तक शून्य काल के तहत कोई मामला नहीं उठाया जा सका। आठ दिन एक भी विशेष उल्लेख नहीं उठाया जा सका और छह दिन प्रश्न काल नहीं हो सका। सदन में बार-बार हो रहे हंगामे के मद्देनजर अपनी चिंता प्रकट करते हुए नायडू ने हाल ही में कहा था कि विरोध की राजनीति का संसद और राज्य की विधानसभाओं के कामकाज पर असर नहीं पड़ने देना चाहिए। हैदराबाद के नए सांसदों के लिए आयोजित एक कार्यक्रम का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन करने के बाद उन्होंने कहा कि मतभेदों को दूसरों की राय सुनने की क्षमता पैदा करके बहस और चर्चा के जरिये सुलझाया जाना चाहिए, लेकिन जरूरी नहीं कि उनसे सहमत ही हुआ जाए।

कई बार बाधित हुई है कार्रवाई

राज्यसभा के सभापति ने कहा कि सरकार और विपक्ष, दोनों पर सदन के सुचारू एवं प्रभावी कामकाज को सुनिश्चित करने की सामूहिक जिम्मेदारी है। मॉनसून सत्र शुरू होने के बाद से आवश्यक वस्तुओं पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी), महंगाई और अन्य मुद्दों पर चर्चा कराने की मांग को लेकर विपक्ष के हंगामे के कारण संसद की कार्यवाही बार-बार बाधित हुई है। विपक्षी दलों के प्रदर्शन के कारण राज्यसभा और लोकसभा से कई सदस्यों को निलंबित भी किया गया है।

सब्सिडी कल्चर पर फिर भड़के पीएम मोदी

बिजली कंपनियों के घाटे के लिए मुफ्त की रेवड़ियां जिम्मेदार

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) के बढ़ते बकाया को एक आसन्न संकट के रूप में चिह्नित करते हुए वोट के लिए रेवड़ियां संस्कृति के अपने विरोध को और तेज कर दिया। वितरण क्षेत्र के सुधारों और एनटीपीसी की अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए 3 लाख करोड़ रुपये के पैकेज की शुरुआत करते हुए उन्होंने बताया कि डिस्कॉम का उत्पादन कंपनियों पर 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक का बकाया है, क्योंकि उन्हें सब्सिडी नहीं मिली है। वहीं, सरकारी विभागों और स्थानीय निकाय के बिजली बिल का भी भुगतान नहीं हो रहा है।

उन्होंने कहा कि भारत का बिजली क्षेत्र का घाटा दोहरे अंकों में है जबकि विकसित देश इसे एकल अंक में रखने में कामयाब रहे हैं।

वितरण क्षेत्र के सुधारों के लिए एक पैकेज और नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड की अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं को लॉन्च करते हुए उन्होंने कहा, इसका मतलब है कि हम बहुत अधिक बिजली बर्बाद कर रहे हैं और इसके कारण हमें अपनी जरूरत से ज्यादा उत्पादन करना पड़ रहा है।

उन्होंने राजनीति में रेवड़ी बांटने की संस्कृति (सब्सिडी कल्चर) के खिलाफ भी खूब सुनाया। वह इस महीने दूसरी बार इसके खिलाफ बोल रहे थे। इससे पहले उन्होंने 16 जुलाई को बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे का उद्घाटन करते हुए इसके खिलाफ बोला था।।

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को इस चेतावनी को तब और बढ़ा दिया जब मुख्य न्यायाधीश की अगुवाई वाली बेंच ने इस मुद्दे पर सुझाव दिया कि वित्त आयोग उन राज्यों को धन के प्रवाह को विनियमित करने पर विचार करे जो सब्सिडी दे रहे हैं। सीजेआई ने कहा, समय के साथ हमारी राजनीति में गंभीर विकृतियां आ गई हैं। राजनीति में लोगों को सच बताने का साहस होना चाहिए। लेकिन कुछ राज्यों में हम मुद्दों को कालीन के नीचे धकेलने की प्रवृत्ति देखते हैं। यह तत्काल तो राजनीतिक रूप से लाभदायक लग सकता है। लेकिन आज की इन चुनौतियों का समाधान नहीं करना हमारे बच्चों और आने वाली पीढ़ियों पर बोझ डालने जैसा है। पीएम मोदी ने कहा, उत्पादन कंपनियां बिजली का उत्पादन कर रही हैं, लेकिन उन्हें भुगतान नहीं हो रहा है। जिस तरह एक घर बिना खाना पकाने के ईंधन के भूखा रह जाएगा, भले ही उसके पास मसाले हों। कोई वाहन बिना ईंधन के नहीं चलेगा, बिजली नहीं होने पर सब कुछ ठप हो जाएगा। अगर एक राज्य में बिजली क्षेत्र कमजोर हो जाता है तो इसका असर पूरे देश पर पड़ता है।

हालांकि पीएम ने किसी राज्य का नाम नहीं लिया, लेकिन उनके बयान को कई क्षेत्रीय दलों, खासकर दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के फ्री बिजली के मुद्दे पर निशाना बनाने के रूप में देखा जा रहा है। उन्होंने इसे आप का प्रचार अभियान बना दिया है।

पीएम मोदी ने कहा कि यह राजनीति का नहीं बल्कि राष्ट्रनीति एवं राष्ट्र-निर्माण से जुड़ा हुआ मुद्दा है। बिजली देश के विकास के लिए अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि कई राज्यों पर इन बिजली कंपनियों का एक लाख करोड़ रुपये से अधिक बकाया है। इसके अलावा विभिन्न सरकारी विभागों एवं स्थानीय निकायों की भी इन बिजली वितरण कंपनियों पर 60,000 करोड़ रुपये से अधिक देनदारी बाकी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि राज्य सरकारों ने अभी तक बिजली कंपनियों को 75,000 करोड़ रुपये की अपनी सब्सिडी प्रतिबद्धता भी पूरी नहीं की है। राज्यों की तरफ से उपभोक्ताओं को दी जाने वाली रियायती बिजली के एवज में यह सब्सिडी राशि दी जानी है।

आयुक्त ने अलसुबह एसएलआरएम सेंटर का किया निरीक्षण

खुले हुए कंपोस्ट पिट को सेट निर्माण करने के लिए संबंधित अफसरों को दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग क्षेत्र अंतर्गत कचरा के बेहतर निष्पादन के लिए एसएलआरएम सेंटर संचालित जिसका निगम आज अलसुबह आयुक्त प्रकाश सर्वे ने स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली,सफाई दरोगा सुरेश भारती सहित अमला के साथ निरीक्षण किया। खुले हुए कंपोस्ट पिट को सेट निर्माण करने के लिए संबंधित इंजीनियर को दिए और बेहतर व्यवस्था निरंतर बनाए रखने अच्छे क्वालिटी का वर्मी कंपोस्ट बन सके।उन्होंने पुलगांव नाका स्थित एसएलआरएम सेंटर में डोर टू डोर कचरा कलेक्शन के आने वाले कचरे के पृथकीकरण की प्रक्रिया और कंपोस्ट खाद को देखे और कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। एसएलआरएम सेंटर में कचरो के निष्पादन को बेहतर तरीके से करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कपोस्ट खाद की जानकारी ली।निरीक्षण के दौरान निगम आयुक्त ने एसएलआरएम सेंटर में कचरों का पृथकीकरण एवं मशीन में काम करने वाले सभी स्वच्छता दीदियों,सफाई मित्र कर्मचारियों को सुरक्षा कवच एप्रॉन, दस्ताना, एवं मास्क जैसे सुरक्षा संबंधी कीट का उपयोग में लाने कार्य करने के निर्देश दिए। झिल्ली, पन्नी, प्लास्टिक आदि के कचरे को नियंत्रित करने एसएलआरएम सेंटर में निरंतर कार्य किया जा रहा है।उल्लेखनीय है कि आयुक्त प्रकाश सर्वे ने कहा स्वच्छ एवं सुंदर दुर्ग की परिकल्पना के तहत विभाग को निर्देश दिए है।

दुर्ग निगम क्षेत्र से प्रतिदिन डोर टू डोर कचरा कलेक्शन के माध्यम से बहुतायत मात्रा में झिल्ली, पन्नी का कचरा निकलता है। इन कचरे को निगम के पुलगांव नाला स्थित,सहित क्षेत्र के अन्य एसएलआरएम सेंटर में एकत्रित कर कचरों का पृथकीकरण के बाद सूखे कचरे से प्राप्त पॉलीथीन को मशीन से बंडल बनाकर निष्पादन हेतु भेजा जा रहा है। इसी तरह गीले कचरो का पृथकीकरण के बाद एसएलआरएम सेंटर में कंपोस्ट खाद बनाया जा रहा है। इसे खाद के रूप में प्रयोग किया जा रहा है। इस कार्य में तेजी आने के बाद अब निगम क्षेत्र में पॉलीथीन के कचरों का ढेर भी अब नजर नहीं आ रहा है।

देव,शास्त्र और गुरु की शरण में जाने से पुण्य सुरक्षित रहता है - आचार्य विशुद्ध सागर महाराज

श्रीकंचपथ न्यूज

रायपुर। सन्मति नगर फाफाडीह में रविवार को चातुर्मासिक प्रवचन माला में आचार्य विशुद्ध सागर महाराज ने कहा कि देव,शास्त्र और गुरु के शरण में जाने से पुण्य सुरक्षित रहता है। जैसे घरों में खाने की सामग्रियां फ्रीज में सुरक्षित रहती है वैसे ही अपने पुण्य को सुरक्षित रखना है तो देव शास्त्र और गुरु की शरण में जाएं। जैसे फ्रीज खाने की सामग्रियों को सुरक्षित रखने अनुकुल वातावरण बनाता है वैसे ही देव,शास्त्र और गुरु किसी का पुण्य नहीं बनाते सदमार्ग दिखाते हैं। पुण्य और पाप के कर्ता आप स्वयं हैं। आपके भीतर जो चल रहा है उससे पुण्य पाप की प्राप्ति होती है। पुण्य के द्रव को सुरक्षित रखने का स्थान परमात्मा का द्वार है।

आचार्यश्री ने कहा कि धनवान वही है जिनके घर में अतिथि का सत्कार है। जिनके घरों में साधु संतों का आहार है। रोटियां तो सबके घर में है लेकिन साधु-संतों का आहार जहां है वह ही धनवान है। जहां रोटियां बेटियां बनाती है और बेटे साधु के हाथ में रखते हैं ऐसा भारत देश हमारा है। यहां पहली रोटी गाय की बनती है। विश्व में किसी भी देश में चले जाना लेकिन जब मृत्यु का समय आए तो भारत लौट आना। भारत भूमि साधु संतों की भूमि है। यहां अंतिम समय में भी साधु संतों के दर्शन होंगे। शास्त्रों की वाणी,जिनवाणी सुनने को मिलती है।

आचार्यश्री ने कहा कि मनुष्य जितना आकांक्षा शून्य जीवन जीता है उसका मस्तिष्क उतना विशाल होता है। जिन्हें अपना बौद्धिक विकास चाहिए वे सारे विकासों को अपनी दृष्टि से हटा लें। सारे विकास स्वमेव होंगे यदि बुद्धि का विकास हो गया। बौद्धिक विकास जितना विशाल होगा उस पुण्यात्मा का चरित्र भी निर्मल होगा, वह ध्यान में तनलीन होगा और कैवल्य ज्ञान को प्राप्त कर लेगा।

आचार्यश्री ने कहा कि दूसरे से अपने आप को निरपेक्ष करो। दूसरे के शरीर की उष्णता, तनाव आप को प्रभावित करता है। यदि कोई विकारों से भरा है तो उसके विकार आपको प्रभावित करेंगे। जैसे अग्नि की उष्णता आप को प्रभावित करती है, बर्फ की शीतलता आप को प्रभावित करती है वैसे ही दूसरे के परिणाम आपको प्रभावित करते हैं। मनुष्य देह,उत्तम कुल, उत्तम धर्म,उत्तम स्वभाव जिसको मिल जाए वह भगवान सिद्ध श्रावक बाद में बनेगा उसे भगवान का आकार दिखाई देगा।

जिसमें ललक है वह स्वयं मार्ग ढूंढ लेता है : मुनिश्री नि:संग सागर

मुनिश्री नि:संग सागर ने कहा कि प्रत्येक प्राणी सुख की चाह में इस संसार में भटक रहा है। सुख की चाह सब करते हैं लेकिन पुरुषार्थ विपरीत होता है। जिस प्रकार एक रोगी दवाई खाकर सुखी महसूस करता है उतना ही सुख हमें है।

लक्ष्मी मंदिर से निकलेगी महाकाल की तीसरी पालकी यात्रा

श्रीकंचपथ न्यूज

राजनांदगांव। राजेष्वर महाकाल मंदिर सिंघोला एवं महाकाल सेना द्वारा उज्जैन की तर्ज पर पहली बार सावन के चारों सोमवार को षहर में पालकी यात्रा निकाली जा रही है। सावन के तीसरे सावन सोमवार को पालकी यात्रा हमाल पारा स्थित लक्ष्मी मंदिर से निकलेगी। आयोजन समिति के संरक्षक पवन डागा ने बताया कि यात्रा लक्ष्मी मंदिर से प्रारंभ होकर सांई मंदिर हमाल पारा, कामठी लाईन, सूरजन गली, रामाधीन मार्ग होते हुए तिरंगा चैक, भारतमाता चैक, मानव मंदिर चैक, गांधी चैक, दुर्गा चैक, इंदिरा नगर चैक से नंदई चैक पहुंचकर आरती के बाद यात्रा का समापन किया जाएगा। आयोजन समिति के प्रहलाद सिन्हा एवं दीपक भारती ने बताया कि पालकी यात्रा में छत्तीसगढी भजन षंकर भोला भण्डारी के गायक सुनील सिहोरे अपनी प्रस्तुति देंगे। यात्रा में अखाडा, बैण्ड, डीजे, झांकी की व्यवस्था आयोजन समिति द्वारा की गई है। आयोजन समिति ने षहर के धर्मप्रेमियों से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की है।

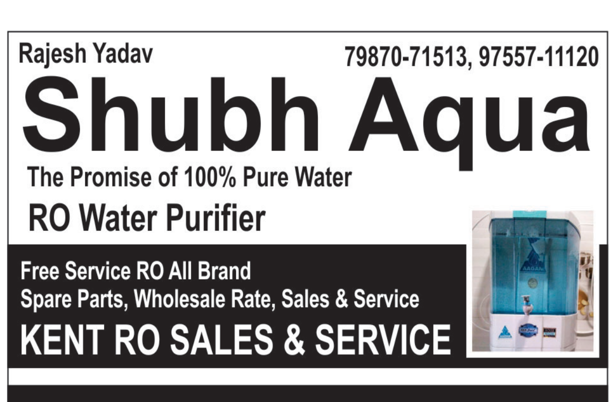

इंस्टाग्राम पर लड़की बनकर छात्र से की दोस्ती फिर नाबालिग ने मिलने बुलाया और कर दी हत्या

बिलासपुर (ए)। बिलासपुर में 17 साल के एक लड़के ने अपने पांच दोस्तों के साथ मिलकर छात्र की चाकू मारकर हत्या कर दी। इसके बाद सभी हमलावर भाग निकले। आरोपी कुछ दिन पहले ही हत्या के एक अन्य मामले में बाल सुधार गृह से छूटा था। बताया जा रहा है कि नाबालिग आरोपी ने कुछ दिन पहले से ही हमले की योजना बना ली थी। इसके लिए उसने इंस्टाग्राम में लड़की के नाम से फर्जी आईडी बनाकर छात्र से दोस्ती की। फिर रविवार शाम उसे मिलने के लिए बुलाया। घटना सिविल लाइन थाना क्षेत्र की है।

कोतवाली थाना क्षेत्र के बिलासा चौक निवासी सतीश तिवारी (22) पिता विजय तिवारी कॉलेज छात्र था। रविवार शाम वह अपने नाबालिग दोस्त के साथ एसबीआर कॉलेज के पास खड़ा था। उसे इंस्टाग्राम के माध्यम से मैसेज कर किसी लड़की ने मिलने के लिए बुलाया था। सतीश अपने दोस्त के साथ बातचीत कर रहा था। तभी वहां 17 साल का लड़का अपने पांच साथियों के साथ पहुंचा और सतीश पर चाकू से हमला कर दिया। चाकू उसके पेट में लगा। किसी तरह वह राजीव गांधी चौक स्थित प्राइवेट हॉस्पिटल पहुंचा,जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

पिता पर हुए हमले का बदला लेने नाबालिग ने रची साजिश

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। उन्होंने सतीश के नाबालिग दोस्त से पूछताछ कर हमलावरों की जानकारी ली। टीआई ने बताया कि मुख्य हमलावर आरोपी की पहचान हो गई है, वह नाबालिग है। अन्य आरोपियों की भी पुलिस पहचान कर उनकी तलाश में जुटी हुई है। प्रारंभिक जांच व पूछताछ में पुरानी रंजिश के चलते हत्या की यह वारदात हुई है। दरअसल, सतीश ने छह माह पहले नाबालिग के पिता पर जानलेवा हमला किया था, जिस पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। वह कुछ दिन पहले ही जेल से छूटा था।

लड़की के नाम से फर्जी आईडी बनाकर युवक से की दोस्ती

जांच और पूछताछ में यह भी जानकारी मिली है कि नाबालिग लड़के ने सतीश को अपने चंगुल में लेने के लिए इंस्टाग्राम में फर्जी आईडी बनाया और सतीश से दोस्ती की। सतीश उसे लड़की समझकर चैटिंग में बातचीत करने लगा। रविवार को कथित लड़की के इंस्टाग्राम में सतीश से चैटिंग कर रहा था। बातचीत के दौरान ही योजनाबद्ध तरीके से उसे राजीव गांधी चौक स्थित एसबीआर कॉलेज के पास मिलने के लिए बुलाया। सतीश अपने नाबालिग दोस्त को लेकर मिलने चला गया।

हत्या के केस में बाल सुधार गृह में था नाबालिग

नाबालिग आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर 30 मार्च 2021 को जूना बिलासपुर के हटरी चौक निवासी कूलर का खस बेचने वाले इकबाल नाम के युवक की हत्या कर दी थी। इकबाल के भाई शेख शिबू से उसका विवाद था। वह शेख शिबू के लक्ष्मी टॉकीज के पास स्थित दुकान गया था। उसके नहीं मिलने पर उसने इकबाल से विवाद कर डंडा व रॉड से हमला कर दिया था। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी रायपुर के अस्पताल में मौत हो गई। इस केस में पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर बाल सुधार गृह भेजा था।

आज होगा शव का पोस्टमार्टम

पुलिस ने सतीश तिवारी से मिले चाकू को जब्त कर लिया है। प्राइवेट हॉस्पिटल में परिजनों की मौजूदगी में उसके शव का पंचनामा कराया गया। इसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। शाम होने की वजह से शव का पोस्टमार्टम सोमवार को होगा।

10 रुपए देकर 13 साल की लड़की से गैंगरेप

76 साल के बूढ़े और 47 साल के अधेड़ दुकानदार ने किया रेप

बलौदाबाजार (ए)। बलौदाबाजार में 13 साल की से एक वृद्ध और अधेड़ ने गैंगरेप किया। 76 साल का बूढ़ा 10 रुपए का लालच देकर बच्ची को अपने साथ ले गया और रेप किया। पास के दुकानदार को पता चला तो उसने भी बच्ची को शिकार बनाया। तीन दिनों तक दोनों दुष्कर्म करते रहे। तीसरे दिन पड़ोसी महिला ने देखा तो मामला खुला। इसके बाद बच्ची को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मामला सिटी कोतवाली क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, कोतवाली से करीब 5 किमी दूर एक गांव में रहने वाली 13 साल की बच्ची बेहद गरीब परिवार से है। वह परिजनों के साथ कचरा बीनने का काम करती है। बताया जा रहा है कि गुरुवार को बच्ची को गांव के ही 76 साल के आरोपी कुंजराम वर्मा ने देखा तो उसे बुलाया। फिर 10 रुपए देने की बात कहकर अपने घर ले गया। उस समय घर के सभी लोग काम से बाहर गए हुए थे। वहां आरोपी ने बच्ची से दुष्कर्म किया। अगले दिन आरोपी ने फिर बच्ची को बुलाया और दुष्कर्म किया।

दूसरे दिन बच्ची को कुंजराम के घर से बाहर निकली तो पास के दुकानदार 47 साल के रमेश वर्मा ने देख लिया। संदेह होने पर उसने पूछताछ की और आरोप है कि उसने भी 10 रुपए देकर अगले दिन बच्ची से दुष्कर्म किया। उसके बाद रमेश के घर से बच्ची बाहर निकली तो पड़ोस में रहने वाली महिला को शक हो गया। उसने बच्ची से पूछताछ की और उसे लेकर परिजनों के पास पहुंची। इसके बाद दुष्कर्म का पता चला। फिर शनिवार रात करीब 2 बजे बच्ची को लेकर परिजन अस्पताल पहुंचे।

दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया

वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद दुष्कर्म की पुष्टि की है। सूचना मिलने पर पुलिस भी पहुंच गई और लड़की के बयान लिए। फिलहाल लड़की की हालत गंभीर है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा-376 डी और पॉक्सो के तहत मामला दर्ज कर लिया है। दोनों आरोपियों को रविवार को गिरफ्तार भी कर लिया है। दोनों से पूछताछ हो रही है। बताया जा रहा है कि आरोपियों ने दुष्कर्म की बात स्वीकार कर ली है। आशंका है कि लड़की से पहले भी इस तरह से दुष्कर्म किया गया होगा।

चलती ट्रेन से साढ़े तीन लाख के गहने चोरी

समरसता एक्सप्रेस में टीचर और उनकी पत्नी आ रहे थे झारसुगड़ा से बिलासपुर

बिलासपुर (ए)। समरसता एक्सप्रेस में यात्रा करते समय टीचर की पत्नी के बैग से चोरों ने रविवार की सुबह झारसुगड़ा स्टेशन में साढ़े तीन लाख रुपए कीमती गहने चोरी कर लिए। ट्रेन के बिलासपुर पहुंचने पर टीचर ने जीआरपी में रिपोर्ट दर्ज कराई है। टीचर और उनकी पत्नी झारसुगड़ा से बिलासपुर आ रहे थे। उसी समय यह वारदात हो गई।

जानकारी के अनुसार राजनांदगांव जिले के डोंगरगांव निवासी नरेंद्र कुमार देवांगन टीचर हैं। वह अपनी पत्नी ललीता देवांगन के साथ रविवार की सुबह समरसता एक्सप्रेस में सफर कर रहे थे। दोनों झारसुगड़ा स्टेशन से ट्रेन में बी-2 कोच के सीट नंबर 26 व 27 में बैठे थे। उन्हें वापस डोंगरगांव लौटना था। ट्रेन में चढ़ने के बाद उनकी पत्नी को पता चला कि उनके बैग में रखे दो सोने की हार गायब हैं। घबराई ललीता ने इस घटना की जानकारी अपने पति को दी। उन्होंने ट्रेन में गहनों की तलाश की। लेकिन, कुछ पता नहीं चला।

बेटे से मिलने गए थे झारसुगड़ा

टीचर नरेंद्र देवांगन ने बताया कि उनका बेटा झारसुगड़ा में जॉब करता है। इसके चलते वह अपनी पत्नी को लेकर बेटे से मिलने गए थे। रविवार की सुबह ट्रेन में चढ़ने के लिए वे प्लेटफॉर्म बदल रहे थे। उन्हें शक है कि ट्रेने में चढ़ते समय ही किसी ने उनकी पत्नी की बैग का चेन खोलकर जेवर पार किया है।

15 किलो गांजा के साथ मध्य प्रदेश के दो तस्कर हत्थे चढ़े

रायपुर (ए)। ओडिशा के तस्कर से गांजा खरीदकर मध्यप्रदेश के विदिशा ले जा रहे दो तस्कर गुढ़ियारी पुलिस के हत्थे चढ़ गए। आरोपित विदिशा जिले के ग्राम टिलाखेड़ी निवासी विशाल रायकवार (19) और एकता कालोनी निवासी नितिन अहिरवार (20) के बैग से 15 किलो गांजा बरामद हुआ। आरोपितों को गिरफ्तार कर नारकोटिक्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

दो हजार रुपये किलो में खरीदा, विदिशा में 10 हजार रुपये किलो में खपाने की थी तैयारी

गुढ़ियारी पुलिस को सूचना मिली कि रेलवे स्टेशन स्थित पार्किंग नंबर छह में दो व्यक्ति हैं, जो बैग में गांजा रखे हुए हैं। इस पर थाना प्रभारी बृजेश कुशवाहा ने टीम भेजी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने दोनों संदेहियों से बात करने की कोशिश की तो वे भागने लगे, जिन्हें दौड़ाकर पकड़ लिया गया। आरोपितों ने पूछताछ में बताया कि उन्होंने ओडिशा के एक तस्कर से रेलवे स्टेशन की पार्किंग के पास दो हजार रुपये किलो में गांजा की डिलीवरी ली। विदिशा ले जाकर 10 हजार रुपये में खपाने की तैयारी थी।

मुख्य तस्कर की होगी घेराबंदी

तस्करों से पूछताछ में ओडिशा के एक पुराने मुख्य तस्कर का नाम सामने आया है। गांजा तस्करी के मामले में ओडिशा में वह कई बार पकड़ा जा चुका है। आरोपितों की निशानदेही पर मुख्य तस्कर की घेराबंदी की योजना पुलिस ने बनाई है।

दुष्कर्म करने घर में घुसे युवक, लोगों ने जमकर की पिटाई, एक आरोपी भागा

कोंडागांव (ए)। कोंडागांव जिले में 40 साल के एक युवक ने 50 साल की महिला के साथ उसके घर में घुसकर बलात्कार करने की कोशिश की है। जबकि दूसरा युवक घर के बाहर खड़ा होकर पहरा दे रहा था। बताया जा रहा है कि, महिला के चीखने की आवाज सुनकर आस-पास घरों के ग्रामीण इकट्ठा हो गए। दोनों युवकों की जमकर पिटाई की गई। हालांकि, एक युवक लोगों को चकमा देकर फरार हो गया है, दूसरे को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दोनों यूपी के रहने वाले हैं। मामला फरसगांव थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, पीड़ित महिला की बेटी ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। गांव में पानी टंकी निर्माण करने उत्तर प्रदेश के 2 युवक आए हुए थे, जो गांव में ही रह रहे थे। शनिवार शाम करीब 5 बजे महिला घर पर अकेली थी। मौके का फायदा उठाकर दोनों युवक घर पहुंच गए। एक युवक घर के बाहर खड़ा होकर पहरा दे रहा था, तो वहीं दूसरा युवक घर में घुस गया। घर का दरवाजा खुला हुआ था। महिला किचन में काम कर रही थी। जब युवक घर में आया तो महिला ने बाहर जाने को कहा। जिसके बाद युवक महिला के साथ छेड़छाड़ करने लगा। बलात्कार करने की कोशिश किया।

वहीं महिला जोर-जोर से चिल्लाने लगी। आस-पास के लोग महिला की आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे। घर के बाहर खड़ा दूसरा युवक लोगों को देख भागने की कोशिश कर रहा था। जिसे पकड़ लिया गया। फिर घर के अंदर से दूसरे युवक को बाहर निकाला गया। ग्रामीणों ने दोनों की जमकर पिटाई की। जिसके बाद मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। पुलिस के पहुंचने से पहले एक युवक किसी तरह से ग्रामीणों को चकमा देकर फरार हो गया। हालांकि, पुलिस ने महिला के साथ बलात्कार की कोशिश करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

फरसगांव पुलिस ने रविवार को मीडिया को जानकारी दी है। पुलिस ने बताया कि इस घटना के मुख्य आरोपी पप्पू भारती (40) को गिरफ्तार कर लिया गया है। दूसरा आरोपी धर्मेंद्र यादव (40) मौके से फरार हो गया था। जिसकी तलाश जारी है। दोनों आरोपी उत्तर प्रदेश के कुशीनगर के रहने वाले हैं।

500 राशन कार्ड दुकान की योजना अटकी, हाई कोर्ट ने लगाया स्टे

रायपुर (ए)। शासकीय उचित मूल्य की दुकानों में 500 राशन कार्ड करने की योजना अटक गई है। बताया जा रहा है कि राशन दुकानदारों के विरोध करने के बाद हाई कोर्ट ने इसमें स्टे लगा दिया है और चार हफ्ते के भीतर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग से जवाब मांगा है। दुकानदारों का कहना है कि अगर 500 राशन कार्ड की दुकान हो गई तो कमीशन की राशि अधिकतम चार हजार रुपये ही आती है और इससे दुकान चला पाना संभव नहीं है।

दुकानदारों का कहना है कि अगर पांच सौ राशन कार्ड की दुकान पर कमीशन केवल पांच से छह हजार रुपये मिलेगा, जबकि दुकानों में हर माह का खर्च 25 हजार रुपये का होता है। बताया जा रहा है कि इस योजना के विरोध में राजधानी के आठ राशन दुकान संचालकों ने हाई कोर्ट में याचिका लगाई थी। इस याचिका को स्वीकार करते हुए हाई कोर्ट ने खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग से जवाब मांगा है।

summer offer
on gogles flat 20% off
फ्री होम डिलेवरी
(निःशुल्क कम्प्यूटराईज नेत्र जांच)
BROTERS OPTICALS
You see We care
Pratap Singh, Mo. - 9589876064, 9589666143
Infront of Shubham Medical, Krishna Talkies Road, Risali, Bhilai, Email : brothersopticals1@gmail.com

Authorised For : SOMANY Wall & Floor Tiles | JOHNSON Not just tiles, Lifestyles. | orientbell tiles
All Size of Tiles, Granite and Sanitaries
SHRI BALAJI TILES
Krishna Talkies Road, SBI Building, Opp. Church, Risali, Bhilai-490006 Distt.-Durg (C.G.), Mo.-9518326808
E-mail:- balajitilescg@gmail.com

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:- 9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

खास - खबर

प्रधानमंत्री आवास योजना मोर मकान-मोर आस की तिथि 16 अगस्त तक बढ़ाया गया

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र के अंतर्गत आम नागरिकों की मांग एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री आवास योजना (प्र.म.आ.यो शा) के घटक मोर मकान-मोर आस की तिथि दिनाँक 16/08/22 दिन मंगलवार तक बढ़ाया गया। आवेदन पत्र प्राप्त करने एवं संपूर्ण रूप में हुए आवेदनों को जमा कसे, दोनों कार्यों की समय सीमा का विस्तार किया गया हो मुख्यमंत्री वार्ड कार्यालय, उरला वार्ड को बंद किया जाता है तथा शेष तीनों काउंटर में आवेदन पत्र एवं जमा दोनों कार्य किया आएगा। नगर पालिक निगम दुर्ग के मुख्य कार्यालय में आवेदन पत्र जारी तथा भरे हुए आवदेन पत्र जमा लेने का कार्य पृथक-पृथक काउंटर के द्वारा संचालित किया जाएगा।

पंजाबी समाज की नई कार्यकारिणी ने ली शपथ

भिलाई। पंजाबी समाज के चुनाव के उपरांत शनिवार 30 जुलाई की शाम नवनिर्वाचित कार्यकारिणी ने विधिवत पदभार संभाला। स्थानीय होटल आशीष के सभागार में भारी संख्या में उपस्थित समाज के सदस्यों के समक्ष नए अध्यक्ष नरेश खोसला सहित पूरी कार्यकारिणी को पूर्व अध्यक्ष दीपक भाटिया ने शपथ ग्रहण करवा पदभार सौंपा। अध्यक्ष नरेश खोसला ने इस मौके पर कहा कि वह अपनी कार्यकारिणी के साथ मिल कर समाज हित में सकारात्मक कदम उठाते हुए अपना विशिष्ट योगदान देंगे। इस शाम को यादगार बनाने जितेंद्र सिंह व निशा राजपूत ने अपनी मधुर आवाज में कई सुमधुर गीत प्रस्तुत किये। वहीं करतल ध्वनि के बीच अध्यक्ष नरेश खोसला ने पंजाबी समाज को शिखर तक पहुंचाने के लिए अशोक सूरी व दीपक भाटिया का विशेष रूप से सम्मान किया। संयोजक व सूत्रधार अजय भसीन के विशिष्ट योगदान को देखते हुए उन्हें विशेष रूप से सम्मानित किया गया। अध्यक्ष की आसंदी से नरेश खोसला ने इस मौके पर नई सलाहकार समिति व कार्यकारिणी की घोषणा के साथ भविष्य में नए कार्यों को करने का संकल्प व्यक्त किया। उन्होंने वर्ष 2022-25 के लिए अपनी कार्यकारिणी की घोषणा की। जिसमें मुख्य सलाहकार अजय भसीन, सलाहकार दीपक भाटिया पूर्व अध्यक्ष,अशोक सूरी, सुभाष महेंद्रू, विनोद अरोरा, अशोक सेठ,आर सी ओबेराय शामिल हैं।

निगम के अंतिम छोर पर विकास

सड़क, नाली और मंच बनाने महापौर ने किया 86 लाख का भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। नगर पालिक निगम रिसाली की महापौर शशि सिन्हा व प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री जितेन्द्र साहू ने रविवार को 85 लाख 63 हजार का भूमिपूजन किया। इस राशि से वार्ड क्रमांक 15, 16 व वार्ड क्रमांक 19 व 20 में गली सीमेंटीकरण, नाली और मंच निर्माण किया जाएगा। भूमिपूजन करने के बाद महापौर वार्ड भ्रमण की।

भूमिपूजन करने महापौर शशि सिन्हा व प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री जितेन्द्र साहू सुबह आठ बजे सबसे पहले मौहारी भाठा पहुंचे। इसके बाद बीआरपी कालोनी और स्टेशन मरोदा एवं शंकर पारा वार्ड 20 में भूमिपूजन किया गया। इस अवसर पर महापौर ने कहा कि रिसाली निगम का यह वार्ड श्रमिक बाहुल्य क्षेत्र है। यहां सबसे ज्यादा जरूरत सड़क और पानी निकासी के संसाधन की है। यही वजह है कि इन कार्यो को वे प्राथमिकता के आधार पर कर रही है। कार्यक्रम में महापौर परिषद के सद्स्य गोविन्द चतुर्वेदी, सनीर साहू, सोनिया देवांगन, ईश्वरी साहू, विलास राव बोरकर, परमेश्वर कुमार, पार्षद चन्द्रप्रकाश निगम, विनय नेताम, रेखा देवी, ब्लाक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मुकुंद भाऊ, चन्द्रकांत कोरे व शत्रुहन धनकर आदि उपस्थित थे।

क्षेत्र का लिया जायजा

भूमिपूजन कार्यक्रम के बाद महापौर शशि सिन्हा मरोदा और नेवई क्षेत्र का भ्रमण की। उन्होंने सफाई व्यवस्था की समीक्षा की। स्वास्थ्य विभाग प्रभारी गोविन्द चतुर्वेदी के साथ सार्वजनिक स्थानों व नालियों की सफाई बेहतर करने आवश्यक दिशा निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग प्रभारी डोर टू डोर कचरा कलेक्शन नियमित हो रहा कि नहीं इस बात का सीधे नागरिकों से फीड बैक लेकर निगम के कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

इन कार्यो का हुआ भूमिपूजन

वार्ड 15 - पात्रो किराना मौहारी भाठा में गली सीमेंटीकरण 8 लाख, प्रमोद होटल के पास गली सीमेंटीकरण 8 लाख, वार्ड 16 - बाीआरपी कालोनी स्टेशन मरोदा शिव मंदिर जीर्णोद्धार 5 लाख, दयानंद साहू के घर के सामने नाली निर्माण 5 लाख, डॉ. वर्मा के निवास के पास मंच निर्माण 3 लाख, आजाद स्कूल से बच्चामणी के घर तक नाली और चन्द्राकर किराना से संकल्प किराना तक नाली निर्माण कुल 11.88 लाख, राजू साहू से शुक्ला घर तक नाली निर्माण 3.16 लाख, उत्तम टेलर से आदिवासी कापरेटिव तक सीसी रोड 10.14 लाख, आजाद स्कूल से पीपल पेड़ तक सीसी रोड 5.07 लाख, वार्ड 19 - विजय चैक स्टेशन मरोदा में आरसीसी मंच 4 लाख, पुनित बंजारे घर के पीछे नाली निर्माण 4 लाख, वार्ड 20 - अंबिका टेलर्स के सामने से रामेश्वर शर्मा के घर तक नाली 5.77 लाख, रंजीत मेडिकल से दिलीप पोल्ट्री तक नाली 3 लाख, लक्ष्मी घर से बढ़ई के घर तक नाली 1.61 लाख, शंकर पारा के बसंत राणा घर से कापड़े के घर तक सीसी रोड 4.35 व जुनेश घर से बरगद पेड़ तक सीसी रोड 3.65 लाख।

चौपाल लगाकर कृषकों से साधा खेती संबंधी प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव । राजनांदगांव जिले के ब्लाक डोंगरगांव अंतर्गत ग्राम आरी में किसानों चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया ! यहाँ कृषि जानकर श्रीमान टेकलाल जी, रेखचंद् साहू जी तथा रिलायंस फाउन्डेशन के श्री मिथलेश साहू हरेली के पावन पर्व पर किसानो से अभी वर्तमान मे हो रहे धान की नर्सरी को खेत मे लगाते समय नर्सरी उपचार, कितनी दूरी मे लगाना है, खेत मे होने वाले खरपत्वारों, खाद आदि के बारे मे किसानो से चर्चा किया गया साथ मे जैविक खेती के बारे में गौठान के बारे में जानकारी बताया गया और साथ ही चौपाल में धान के नर्सरी उपचार के बारे में विधिवत करते हुए नर्सरी उपचार करने संबंधी संम्पूर्ण जानकारी दिया गया!

इस अवसर पर रिलायंस फाउन्डेशन के कार्यकर्ता भूपेंद्र कुमार साहू ने जानकारी बताया की रिलायंस फाउन्डेशन एक टोल फ्री नंबर 18004198800 जारी किया गया है जिसमे आप सभी किसान भाई खेती की उन्नत तकनीको के बारे में जानकारी व मौसम पशुपालन आदि ले सकते है ! इस कार्यकम को सफल बनाने के लिए गांव के पद्धिकारी, कृषक बहने व ग्रामीण पटेल वा गांव के किसान भाई उपस्थित थे !

सवा लाख पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं रुद्राभिषेक

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। श्री दक्षिणेश्वर हनुमान मंदिर (शत्रुहंता) सेक्टर 6 सी मार्केट भिलाई में सावन के पवित्र महीने में सवा लाख पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं रुद्राभिषेक कार्यक्रम रखा गया है। 2 अगस्त को प्रात: 7 बजे विशाल कलश यात्रा निकाली जाएगी। इसी के साथ पार्थिव शिवलिंग निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाएगा।

3 अगस्त को सवा लाख बेलपत्र में सीता राम लेखन होगा। वहीं 4 अगस्त को सुबह 9 बजे से रुद्र महाभिषेक एवं भोलेनाथ का श्रृंगार किया जाएगा। तत्पश्चात महा आरती एवं

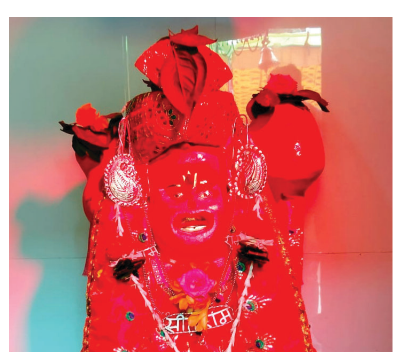

महाप्रसाद वितरण किया जाएगा। 5 अगस्त को प्रात: 9 बजे विसर्जन है।

सृष्टि में निम्मित भाव धारण कर मैं पन के प्रेशर को कम करो, प्रसन्न रहो- ब्रह्माकुमारी गोपी दीदी लंदन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय सेक्टर 7 स्थित अंतरदिशा भवन के पीस ऑडिटोरियम में चल रहे दो दिवसीय योग तपस्या कार्यक्रम व्यक्त से अव्यक्त की ओर के अंतिम दिन के समापन पर वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका एवं इंटरनेशनल मोटिवेशनल स्पीकर ब्रह्माकुमारी गोपी दीदी लंदन ने बताया देह की स्मृति से ही हमें चिंता, तनाव भय उत्पन्न होता है। हमें विदेही बन

परमात्मा को याद करने का अभ्यास करना है ,यही योग है7 अपने को अपसेट नहीं आत्मिक स्थिती में सेट होकर कर्म करो। आपने संस्कार परिवर्तन के बारे में बताते हुए कहा की अलबेलापन और आलस्य के कारण कल से करेंगे करके टाल देते है, वो कल कभी आता नहीं है। हमारे पुराने संस्कारों को अभी से नये संस्कारो से रिप्लेस कर दो 7 श्रेष्ट संस्कारों से मन सहित मानव शरीर को बल मिलता है ईगो और अटेचमेंट भाई बहन है जिसके मिलने से अभिमान शुरू हो जाता है अभिमान किसी को अच्छा नहीं लगता पर यह रावण का और कलयुगी संस्कार है अभिमान से टकराव होता है राजयोग के अभ्यास से नम्र बनना है, नम्रचित्त बने बिगर ज्ञान जीवन में धारण नहीं हो सकता राजयोगी माना स्वराज्य अधिकारी बन कर कर्मईन्द्रियों से कर्म करना इस सृष्टि में निम्मित भाव धारण कर मै पन के प्रेशर को कम करो, प्रसन्न रहो, प्रसन्नता छायादार वृक्ष के समान सभी को अच्छी लगती है।

छत्तीसगढ़ दूसरी राज्य स्तरीय योग खेल का हुआ समापन

योग के होनहार खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नाम रोशन करेंगे - देवेंद्र यादव

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ दूसरी राज्य स्तरीय योग खेल का समापन आज भिलाई में हुआ । प्रतियोगिता का खिताब तीनों वर्गो में दुर्ग ने अर्जित किया। वही दूसरा स्थान राजनंद गांव और तीसरा स्थान बालोद का रहा है। छत्तीसगढ़ प्रेम निरंजन योगासन खेल संघ द्वारा आचार्य प्रेम नारायण शर्मा जी की स्मृति में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का समापन अवसर पर भिलाई विधायक देवेंद्र यादव ने कहा कि के योग का प्रचार प्रसार जागरूकता स्वास्थ्य निरोगी रहना केवल योग को अपने दिनचर्या में

शामिल करना होगा। और योग से शारीरिक वी मानसिक विकास होता है । आज भारत ऋषि मुनियों का देश है। जिससे योग का आदिकाल से शुरू हुआ योग विश्व के योग गुरु के नाम से जाना जाता है। योग करने से शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूती होती है।

विधायक देवेंद्र यादव ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने योग आयोग का गठन किया है । और योग के माध्यम से योग शिक्षा स्कूल और कालेजों में योग पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है ।जिससे योग का बढ़ावा मिलेगा । खेल में भी योग खेल शामिल किया गया हैं । जिससे योग खेल में भी छत्तीसगढ़ योग के होनहार खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नाम रोशन करेगे। छत्तीसगढ़ प्रेम निरंजन योगासन खेल संघ द्वारा आयोजित प्रदेश स्तरीय योग खेल भिलाई में कराने के लिए साधुवाद देता हु । इस प्रतियोगिता के माध्यम से योग खेल में भी शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक अधिक योग के प्रतिभावन खिलाड़ी पैदा करे और छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करे। इस अवसर पर समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विधायक देवेंद्र यादव ने विजयी टीमों के खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

आप देखते हैं हम परवाह करते है - ब्रदर्स ऑप्टिकल

अब और आकर्षण और नए कलेक्शन के साथ 30 प्रतिशत की छूट

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। कृष्णा टाकीज रोड रिसाली स्थित ब्रदर्स ऑप्टिकल नई सोच के साथ ग्राहकों को सेवाएं दे रहा है। आखें आपकी देखभाल हमारी इस टैगलाइन के साथ लोगों के बीच अच्छी लोकप्रियता हासिल की है। विशेष ऑफर्स के साथ चश्मों की विस्तृत रेंज सभी को लुभा रही है। कुलिंग ग्लासेस से लेकर पॉवर ग्लासेस तक सभी में आकर्षक छूट व बेहतर क्वालिटी ब्रदर्स ऑप्टिकल्स की पहचान है।

ब्रदर्स ऑप्टिकल के संचालक प्रताप सिंह ने बताया कि हमारे यहां कंप्यूटराइज्ड मशीन से नि:शुल्क नेत्र जांच की जाती है। संस्थान में अब और आकर्षण और नए कलेक्शन के साथ 30 प्रतिशत की छूट के साथ अब ग्राहकों को मिल सकेगा। साथ ही फ्री होम डिलिवरी तथा फ्री आंख की जांच घर पहुंच सेवा भी उपलब्ध है। और आपको हर महीने आकर्षण ऑफर के साथ ऑप्टिकल की सभी समाने मिल सकेगी।

कृष्णा टाकीज रोड पर 15 जुलाई को इस प्रतिष्ठान का शुभारंभ हुआ है। कम समय में ही हमारे प्रतिष्ठान ने ग्राहकों का विश्वास जीता है। वर्तमान में हमारे ऑप्टिकल स्टोर में बोरसी, उतई, नेवई, मरोदा, रिसाली सेक्टर मरोदा, रुआबांधा सहित दुर्ग भिलाई से लोग पहुंच रहे हैं।

प्रताप सिंह ने बताया कि हमारे प्रतिष्ठान में सभी ब्रांडेड कंपनियों के लैंसेस व फ्रेम किफायती दरों पर उपलब्ध है। सभी तरह के प्रोडक्ट पर प्लैट 20 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। यही नहीं ब्रदर्स ऑप्टिकल्स ग्राहकों को होम डिलिवरी की सुविधा भी देता है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950